शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 341 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 17 जुलाई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मूसलाधार बारिश के बीच आस्था के साथ निकली श्रीजगन्नाथ रथयात्रा पेज 2
भाजपा ने असममाला-4 को बताया विकास का नया रोडमैप पेज 3
प्रधानमंत्री का 18वां हरियाणा दौरा : 12,470 करोड़ से अधिक की... पेज 5
अर्जेंटीना से हार के बाद बोले हैरी केन-यह मेरा आखिरी विश्व कप है या... पेज 7

मानसून सत्र से पहले कांग्रेस संसदीय दल की बैठक

चढ़ावा चोरी, पेपर लीक और ई20 जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरेगी पार्टी

नई दिल्ली (हि.स.)। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होने से पहले बुधवार को कांग्रेस संसदीय दल की रणनीतिक बैठक हुई। इस बैठक की अध्यक्षता सीपीपी चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने की। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित संसदीय दल के सदस्य मौजूद रहे। बैठक में आगामी सत्र के लिए विपक्ष के एजेंडे पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने एक्स पर लिखा कि चढ़ावा चोरी, आस्था के साथ धोखा, पेपर लीक और शिक्षा प्रणाली का क्षरण, संस्थागत कब्जा, राजनीतिक दलों को तोड़ना, भ्रष्टाचार के आरोप, महंगाई, विदेश नीति की विफलताएं, एथेनॉल मिश्रण का दबाव, वनों की अंधाधुंध कटाई और एससी, एसटी, ओबीसी व अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर हमले जैसे मुद्दों पर कांग्रेस पार्टी मानसून सत्र में मोदी सरकार को कटघरे -शेष पृष्ठ दो पर

संसद सत्र और भाजपा संगठन में संभावित बदलाव को लेकर प्रधानमंत्री आवास पर हुई बैठक

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम के गठन और 20 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र को लेकर बुधवार देर रात तक प्रधानमंत्री आवास पर पार्टी के शीर्ष नेताओं की महत्वपूर्ण बैठक हुई। सूत्रों के अनुसार, बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष समेत कई प्रमुख नेता उपस्थित रहे। यह बैठक करीब तीन घंटे तक चली। हालांकि इस बैठक को लेकर पार्टी ने अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है। पार्टी के एक अन्य सूत्र के मुताबिक, इस बैठक को केवल संसद के आगामी सत्र की तैयारियों तक सीमित नहीं मानना चाहिए, बल्कि इसे सरकार और भाजपा संगठन में बड़े बदलावों की दिशा तय करने वाली अहम कड़ी के रूप में भी देखना चाहिए। राजनीतिक गलियारों में इस बैठक को लेकर इसलिए भी चर्चा है क्योंकि पिछले कुछ दिनों से अलग-अलग बैठकों का जो सिलसिला चल रहा था, बुधवार रात की बैठक को उन सभी चर्चाओं को अंतिम रूप देने वाला माना जा रहा है। पार्टी के ही विश्वसनीय सूत्र के अनुसार, इस बैठक से पहले, पिछले कुछ दिनों में पांच महत्वपूर्ण बैठकें हो चुकी थीं। सबसे पहली बैठक प्रधानमंत्री आवास पर हुई थी, जिसमें केंद्रीय मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया था। इसके बाद दूसरी बैठक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर हुई, जिसमें अमित शाह, नितिन नवीन, बीएल संतोष और अन्य मौजूद रहे। -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

ढेकुली नीचे सिर झुकाकर ही कुंए से जल निकालती है अर्थात कपटी या पापी व्यक्ति सदैव मधुर वचन बोलकर अपना काम निकालते हैं।

- आचार्य चाणक्य

असम में पर्यटन को नई उड़ान

सरकार ने पांच वर्षीय पर्यटन मास्टर प्लान का किया अनावरण

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को कहा कि राज्य पिछले एक दशक में लगभग छह करोड़ पर्यटकों के आने के बाद एक व्यापक पांच वर्षीय पर्यटन मास्टर प्लान के माध्यम से अपने पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने की तैयारी कर रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दस वर्षों में राज्य में पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और उन्होंने जोर देकर कहा कि विकास के अगले चरण में ग्रामीण पर्यटन के विस्तार, आजीविका के अवसर पैदा करने और सतत विकास सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि शानदार असम लगातार विकसित हो रहा है। पिछले दशक में आए छह करोड़ पर्यटक तो बस शुरुआत हैं। हमारी पंचवर्षीय पर्यटन मास्टर प्लान ग्रामीण पर्यटन को गति देगी, स्थानीय लोगों की आजीविका के अवसर पैदा करेगी और सतत विकास को बढ़ावा देगी। अभी तो और भी बेहतर होना बाकी है। प्रस्तावित मास्टर प्लान से कम ज्ञात स्थलों को बढ़ावा देकर, पर्यटन बुनियादी ढांचे में सुधार करके और पर्यटन संबंधी गतिविधियों में सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करके असम के पर्यटन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की उम्मीद है। सरकार घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों तरह के पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए असम की प्राकृतिक सुंदरता, वन्यजीवों, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक स्थलों को प्रदर्शित करने पर लगातार जोर दे रही है। अधिकारियों का मानना है कि ग्रामीण पर्यटन में अधिक निवेश से राज्य के पर्यटन विकल्पों में विविधता लाने में मदद मिलेगी, साथ ही गांवों में रोजगार सृजित होगा और स्थानीय उद्यमशीलता को बढ़ावा मिलेगा। हाल के वर्षों में, असम ने पूर्वोत्तर में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में राज्य की स्थिति को बेहतर बनाने की रणनीति के तहत कनेक्टिविटी में सुधार, पर्यटन सुविधाओं को उन्नत करने और त्योहारों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए कई पहलें की हैं। मुख्यमंत्री ने बार-बार पर्यटन को आर्थिक विकास को गति देने में सक्षम प्रमुख क्षेत्रों में से एक के रूप में उजागर किया है, विशेष रूप से पर्यावरण पर्यटन, -शेष पृष्ठ दो पर

पुरी रथ यात्रा के दौरान भगदड़, दो की मौत

पुरी। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के दौरान गुरुवार को ओडिशा के पुरी में बड़ा हादसा हो गया। मरिचिकोट चौक के पास अत्यधिक भीड़ के कारण भगदड़ जैसी स्थिति बन गई, जिससे दम घुटने के कारण दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई। वहीं, विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं और भीड़ के दबाव से प्रभावित 150 से अधिक लोगों को पुरी जिला मुख्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 2 बजे मरिचिकोट चौक के निकट श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने से कुछ समय के लिए भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। इसी दौरान दो श्रद्धालु अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें तत्काल पुरी जिला मुख्य अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और घटनास्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त -शेष पृष्ठ दो पर

कामाख्या मंदिर कॉरिडोर के निर्माण का प्राथमिक कार्य शुरू

गुवाहाटी (हि.स.)। लंबे समय से प्रतीक्षित कामाख्या मंदिर कॉरिडोर के निर्माण का प्राथमिक कार्य आधिकारिक तौर पर शुरू हो गया है। परियोजना के पहले चरण के तहत, प्रशासन ने कामाख्या मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार के आसपास स्थित विभिन्न दुकानों और अस्थायी निर्माणों को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, कॉरिडोर के निर्माण के दौरान कामाख्या धाम की परंपरा, धार्मिक महत्व और प्राचीन वास्तुक्ला की गरिमा को पूरी तरह बरकरार रखा जाएगा। इस परियोजना को इस तरह से नियोजित किया गया है ताकि मंदिर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विशेषताओं पर कोई आंच न आए। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को शुरू करने से पहले -शेष पृष्ठ दो पर

लाचित बरफुकन की बायोपिक के लिए असम सरकार ने आदित्य धर से की बातचीत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार, 16 जुलाई को कहा कि राज्य सरकार महान अहोम जनरल लाचित बरफुकन पर एक बड़े बजट की फिल्म निर्देशित करने के लिए फिल्म निर्माता आदित्य धर के साथ बातचीत कर रही है, ताकि असम के महानतम नायकों में से एक की कहानी को राष्ट्रीय और वैश्विक दर्शकों तक पहुंचाया जा सके। फेसबुक लाइव सत्र के दौरान बोलते हुए, शर्मा ने कहा कि सरकार 17वीं शताब्दी के सैन्य कमांडर के जीवन और विरासत पर आधारित बॉलीवुड स्तर की फिल्म का समर्थन करने की संभावना तलाश रही है, जिन्हें शराईघाट की लड़ाई में मुगलों के खिलाफ अहोम -शेष पृष्ठ दो पर

टीएमसी की राज्यसभा सदस्य कोयल मल्लिक का इस्तीफा

नई दिल्ली (हि.स.)। तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य रुक्मिणी कोयल मल्लिक ने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के अनुसार मल्लिक ने राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन को अपना इस्तीफा सौंपा। मल्लिक को टीएमसी ने विगत अप्रैल में ही राज्यसभा में नामित किया था। उनका इस्तीफा ऐसे समय में सामने आया है, जब एक दिन पहले तृणमूल कांग्रेस के विधायक और ममता बनर्जी के करीबी सहयोगी -शेष पृष्ठ दो पर

धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें वांगचुक को बनाया जाए देश का शिक्षा मंत्री : केजरीवाल

नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर हैं। वो नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर ये स्ट्राइक कर रहे हैं, जिसका आज 19वां दिन है। आज विपक्ष के कई नेताओं ने उनसे मुलाकात की। इसमें आम आदमी पार्टी मुखिया अरविंद केजरीवाल, संजय सिंह, सौरभ भारद्वाज, सपा सांसद डिंपल यादव और किसान नेता राकेश टिकैत भी पहुंचे। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें और सोनम वांगचुक को देश का केंद्रीय शिक्षा मंत्री बनाया जाए। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं सोनम वांगचुक को सलाम करता हूं। वो अपने लिए नहीं युवाओं के लिए पिछले 19 दिन -शेष पृष्ठ दो पर

असम स्पीकर की भाजपा के साथ बैठक

कांग्रेस ने विस की निष्पक्षता के हनन का आरोप लगाया

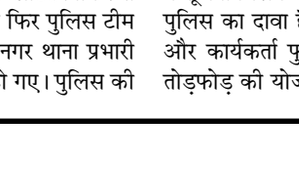

गुवाहाटी। असम के पूर्व विपक्ष नेता (एलओपी) और कांग्रेस नेता देबव्रत सैकिया ने गुरुवार को विधानसभा अध्यक्ष रणजीत कुमार दास पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा की नीति-निर्माण समिति की बैठक में उनकी कथित भागीदारी ने अध्यक्ष के कार्यालय की संवैधानिक निष्पक्षता से समझौता किया है और संसदीय लोकतंत्र को कमजोर किया है। विधानसभा अध्यक्ष रंजीत कुमार दास को संबोधित एक विस्तृत पत्र में, सैकिया ने उन्हें उनके दूसरे कार्यकाल की शुरुआत पर -शेष पृष्ठ दो पर

प्राथमिक शिक्षकों ने सीएम के एनपीएस रुख को खारिज किया

लंबित बीमारी अवकाश के बकाया को लेकर विरोध प्रदर्शन की धमकी दी

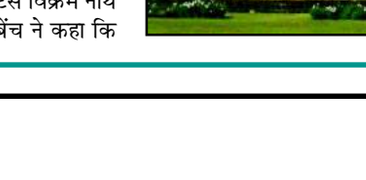

गुवाहाटी। असम राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के समर्थन में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की टिप्पणियों की आलोचना की है और पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को बहाल करने की अपनी मांग को दोहराया है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि लंबित बीमारी अवकाश भत्ते जारी नहीं किए गए तो वे विरोध प्रदर्शन करेंगे। एसोसिएशन ने दावा किया कि बीमारी की छुट्टी का भत्ता शिक्षकों का वैधानिक अधिकार है, न कि सरकार द्वारा दी जाने वाली कोई धर्मार्थ सहायता। एसोसिएशन ने कहा कि जनवरी से इसका भुगतान नहीं किया गया है। बीमारी की छुट्टी का भत्ता कोई दान नहीं है, बल्कि शिक्षकों और कर्मचारियों का अधिकार है। इसे जनवरी से ही जारी कर दिया जाना चाहिए -शेष पृष्ठ दो पर

भारतीय निर्वाचन प्रणाली की विश्वसनीयता विश्व भर में : ईसी

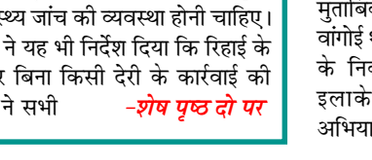

मुरादाबाद (हि.स.)। भारतीय निर्वाचन प्रणाली की विश्वभर में विश्वसनीयता है और अनेक देशों के प्रतिनिधिमंडल इसकी कार्यप्रणाली का अध्ययन करने भारत आते हैं। भारतीय निर्वाचन प्रणाली की सबसे बड़ी विशेषता उसकी पारदर्शिता और बहुस्तरीय निगरानी व्यवस्था है। यह बातें भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद स्थित तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय में चुनाव में लगे बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ), सुपरवाइजरों एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ आयोजित संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा भी उपस्थित रहे। -शेष पृष्ठ दो पर

हसीना की वापसी की खबर से जोश में लीग कार्यकर्ता, माइक पर एलान कर पुलिस को पीटा

ढाका। बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की संभावित वापसी की चर्चाओं के बीच पाबना जिले में हिंसा का मामला सामने आया है। पाबना जिले में गुरुवार सुबह पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच हिंसक झड़प हो गई। पुलिस का दावा है कि प्रतिबंधित अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मस्जिद के लाउडस्पीकर से एलान कर लोगों को इकट्ठा किया और फिर पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इस दौरान सुजानगर थाना प्रभारी (ओसी) और एक कांस्टेबल घायल हो गए। पुलिस की दो गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की गई और हिरासत में लिए गए लोगों को छुड़ा लिया गया। हालांकि अवामी लीग के स्थानीय अध्यक्ष अब्दुल वहाब ने इन आरोपों से इनकार किया है और कहा कि घटना के समय वह इलाके में मौजूद ही नहीं थे। सुजानगर थाना पुलिस के अनुसार, दो पुलिस गश्ती दलों ने सूचना मिलने पर मथुरापुर इलाके में छापेमारी की थी। पुलिस का दावा है कि प्रतिबंधित अवामी लीग के नेता और कार्यकर्ता फुटबॉल विश्व कप के मैच के दौरान तोड़फोड़ की योजना बना रहे थे। -शेष पृष्ठ दो पर

उम्रदराज-गंभीर बीमारियों से जूझ रहे कैदियों की रिहाई के लिए बने पॉलिसी

सुप्रीम कोर्ट का केंद्र-राज्य सरकारों को निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार (16 जुलाई) को जेलों में बंद कैदियों को लेकर सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को खास निर्देश दिए है। कोर्ट ने कहा कि 70 साल से ज्यादा उम्र के कैदियों, लाइलाज या गंभीर बीमारियों से जूझ रहे कैदियों और शारीरिक रूप से कमजोर कैदियों की समय से पहले रिहाई के लिए तीन महीने के भीतर एक पॉलिसी बनाएं। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि इस पॉलिसी में रिहाई पर विचार के लिए पात्रता के मानदंड और प्रक्रिया का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए। बेंच ने कहा कि पॉलिसी में पात्रता के लिए स्पष्ट नियम लाइलाज बीमारी की सटीक परिभाषा और एक स्वतंत्र मेडिकल बोर्ड द्वारा निष्पक्ष स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि रिहाई के आवेदनों पर बिना किसी देरी के कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने सभी -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में उग्रवादी समेत छह गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में अवैध हथियारों और उग्रवादी गतिविधियों के खिलाफ जारी अभियान के तहत सुरक्षा बलों और राज्य पुलिस ने बुधवार को कई जिलों में संयुक्त कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और सैन्य सामग्री बरामद की है। अलग-अलग अभियानों में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन के एक सक्रिय सदस्य समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, इंफाल पश्चिम जिले के वांगोई थाना क्षेत्र स्थित लोकटक झील के निकट इशोक मामांग लीकाई इलाके में चलाए गए तलाशी अभियान के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

मूसलाधार बारिश के बीच आस्था के साथ निकली श्रीजगन्नाथ रथयात्रा

भुवनेश्वर (हि.स.)। अटूट श्रद्धा और भक्ति के अद्‌भुत दृश्य के बीच विश्व प्रसिद्ध पुरी रथ यात्रा 2026 का आयोजन भव्य रूप से हुआ। ओडिशा सहित देश-विदेश से आए लाखों श्रद्धालुओं ने भारी बारिश के बावजूद इस दिव्य उत्सव में भाग लिया। 15 जुलाई की शाम से हो रही लगातार मूसलाधार बारिश भी भक्तों के उत्साह को कम नहीं कर सकी। रथ यात्रा से पूर्व और आयोजन के दौरान पुरी एवं तटीय ओडिशा में लगातार बारिश होती रही, जिससे कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। इसके बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था अडिग रही और वे बड़ी संख्या में बड़दांड (ग्रैंड रोड) पर एकत्रित हुए। सुबह से ही श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के दर्शन के लिए उमड़ पड़े। *हरिबोल* और *जय जगन्नाथ* के गगनभेदी जयघोष ने बारिश की आवाज को भी दबा दिया। इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था को सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के माध्यम से भी प्रकट किया। बारिश से भीगी सड़कों पर विभिन्न समूहों ने पारंपरिक और शास्त्रीय कला प्रस्तुत की। विशेष रूप से ओडिसी नृत्यांगनाओं ने जलभराव के बीच प्रस्तुति देकर भगवान का स्वागत किया, जो भक्ति और समर्पण का अनूठा उदाहरण बना। जगन्नाथ मंदिर में रथ यात्रा के सभी अनुष्ठान सदियों पुरानी परंपराओं के अनुसार संपन्न हुए। सुबह की शुरुआत भोग मंडप में *धूप* अनुष्ठान से हुई, जिसके बाद देवताओं और रथों की तैयारी से जुड़े विभिन्न धार्मिक कार्य किए गए। *पहंडी बीजे* अनुष्ठान के तहत भगवानों को गर्भगृह से बाहर लाकर पारंपरिक वाद्ययंत्रों—घंटा, काहली और तेलिंगी बाजा—की ध्वनि के बीच भव्य शोभायात्रा में रथों पर विराजमान कराया गया। भगवान जगन्नाथ का नंदीघोष, भगवान बलभद्र का तालध्वज और देवी सुभद्रा का दर्पदलन रथ तैयार किया गया। जगद्गुरु शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती ने रथों पर विराजमान चतुर्धामूर्ति के दर्शन कर इस आयोजन की आध्यात्मिक गरिमा को और बढ़ाया। इसके बाद पुरी के गजपति महाराजा दिव्यसिंह देव ने *छेरा पहंरा* अनुष्ठान संपन्न किया। स्वच्छ श्वेत वस्त्र धारण कर और रजत जड़ित पालकी में सवार होकर पहुंचे गजपति महाराजा ने स्वर्ण झाड़ू से रथों की सफाई की। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार, पुष्प अर्पण और सुगंधित जल का छिड़काव किया गया। छेरा पहंरा अनुष्ठान भगवान के समक्ष सभी के समान होने का संदेश देता है। यह दर्शाता है कि राजा और आम व्यक्ति में कोई भेद नहीं है। यह अनुष्ठान गुंडिचा यात्रा और बहुदा यात्रा के दौरान किया जाता है, जो जगन्नाथ संस्कृति की समरसता और समानता को दर्शाता है। अनुष्ठानों के पूर्ण होने के बाद रथों का खींचना प्रारंभ हुआ।

रोहिंग्या-बांग्लादेशी घुसपैठ नेटवर्क पर बंगाल दिल्ली, हरियाणा समेत कई राज्यों में ईडी का छापा

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी फंडिंग और रोहिंग्या एवं बांग्लादेशी नागरिकों की घुसपैठ नेटवर्क से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गुरुवार को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में छापेमारी की। इस दौरान पश्चिम बंगाल के कलिलकापुर स्थित हरौरा अल-जमीयतुल इस्लामिया दारुल उलूम से 40 लाख रुपए नकद और 180 ग्राम वजन के सोने के सिक्के बरामद किए गए। ईडी ने बताया कि परिसर के प्रभारी व्यक्ति से इस धन और सोने के बारे में कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला, जिसके बाद इसे धन शोधन निवारण अधिनियम-2002 की धारा 17 के तहत जब्त कर लिया गया। ईडी ने कहा कि छापेमारी के दौरान डिजिटल उपकरण, दस्तावेज और अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी जब्त की गई है, जिनकी जांच की जा रही है। संबंधित व्यक्तियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। एजेंसी ने बताया कि यह कार्रवाई एक संगठित गिरोह पर की गई है, जो अंतर्राष्ट्रीय सीमा के जरिए अवैध घुसपैठ कराने, फर्जी आधार, पैन कार्ड और पासपोर्ट बनवाने तथा विदेशी धन के सहारे घुसपैठियों को भारत में बसाने का काम करता था। प्रारंभिक जांच में सामने आया था कि विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के तहत पंजीकृत कुछ सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट इस नेटवर्क से जुड़े हुए थे। इन ट्रस्टों को ब्रिटेन स्थित संस्थाओं से धन प्राप्त होता था, जिसे बाद में छोटी-छोटी किश्तों में संदिग्ध व्यक्तियों को भेजा जाता था, ताकि उन्हें भारत में स्थायी रूप से बसने में मदद मिल सके। इस धन का उपयोग ई-रिक्शा खरीदने, रोजगार उपलब्ध कराने और नकद सहायता देने जैसे कार्यों में किया जाता था। ईडी के मुताबिक, पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती जिलों में सक्रिय एक समूह अवैध घुसपैठ कराने में मदद करता था, जबकि दूसरा समूह इन घुसपैठियों के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार करता था। दोनों समूहों के बीच समन्वय के जरिए अवैध प्रवासियों को देश के विभिन्न हिस्सों में भेजा जाता था। तलाशी अभियान के दौरान जिन प्रमुख स्थानों को कवर किया गया उनमें उत्तर 24 परगना स्थित कबीरबाग मिल्लत अकादमी, हरोआ अल-जमीयतुल इस्लामिया दारुल उलूम, तहिरिया वेलफेयर ट्रस्ट, दक्षिण दिल्ली के बाटला हाउस क्षेत्र में कुछ आवासीय परिसर, फरीदाबाद, देवबंद तथा पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों में स्थित कई व्यक्तियों और संस्थाओं के ठिकाने शामिल हैं।

जुबीन हत्याकांड : परेश बैश्य की जमानत याचिका दूसरी अदालत में स्थानांतरित

गुवाहाटी (हिंस)। जुबीन गर्ग हत्याकांड के आरोपी अंगरक्षक परेश बैश्य की जमानत याचिका न्यायाधीश सुस्मिता फूकन खाउंड की अदालत ने स्वीकार नहीं की। इसके बाद याचिका को आगे की सुनवाई के लिए न्यायाधीश मिताली ठाकुरिया की अदालत में भेज दिया गया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले फास्ट ट्रैक अदालत भी परेश बैश्य की जमानत याचिका खारिज कर चुकी है। अब मामले में आगे की सुनवाई न्यायाधीश मिताली ठाकुरिया की अदालत में होगी।

चार शातिर चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की वशिष्ठ थाना पुलिस ने चार शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से टाइल्स काटने की मशीन, कॉपर का तार समेत अन्य सामग्री बरामद की है। कॉपर तार लगभग 25 किग्रा है। वशिष्ठ थाना पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार चोरों की पहचान सफियाल अली उर्फ हाब, रूपचांद अली उर्फ राजा, बिश्वजीत बोड़ो और रूपम सरकार के रूप में की गयी है।

रंगापारा में आयोजित रथ यात्रा में शामिल हुए हजारों श्रद्धालु

शोणितपुर (हिंस)। देश के अन्य हिस्सों की तरह आज शोणितपुर जिला के रंगापाड़ा इलाके में भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की दिव्य यात्रा निकाली गयी। जिसमें हजारों भक्त इकट्ठे होकर, रथ को लेकर पदयात्रा करते हुए, हरे कृष्ण धुन में मगन देखे गए। ज्ञात हो कि रंगापाड़ा क्षेत्र के ताराजुली कालोनी और एक नंबर वार्ड खिरनी बस्ती आदि स्थानों से होते हुए रथ को लेकर हजारों श्रद्धालु पद यात्रा किया। इस दौरान तेजपुर उद्दम स्कील इंस्टीट्यूट संचालक कविता गोगोई के सौजन्य से और रंगापाड़ा के समाजसेवी स्वपन धर, श्री कृष्णा स्वीटस के मालिक, अनिर्बान भट्टाचार्य, विक्रम दास, रतन दत्त, सचिन पारीक आदि लोगों ने पीने का पानी और प्रसाद सभी पद यात्रियों में वितरित किया। इसके अलावा रंगापाड़ा के एसएलजी टीम के सदस्यों ने भी, सड़क किनारे शिविर लगाकर श्रद्धालुओं को शीतल पेय एवं पानी पिलाया। रथ यात्रा के दौरान पूरे इलाके में भक्ति की धारा बहते देखी गई।

राज्यपाल ने मनोहारी टी एस्टेट का किया दौरा

डिब्रूगढ़ (हिंस)। डिब्रूगढ़ जिले के अपने दो दिवसीय दौरे के आखिरी चरण में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने गुरुवार को मनोहारी टी एस्टेट का दौरा किया और चाय बागान के मजदूरों, मनोहारी टीई एलपी स्कूल के छात्रों और एस्टेट समुदाय के सदस्यों से बातचीत की। बातचीत के दौरान राज्यपाल आचार्य ने चाय बागान समुदाय को दी जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मजदूरों से उनके सर्वांगीण विकास और भलाई के लिए शुरू की गई कल्याणकारी पहलों के बारे में उनकी राय भी जानी। छात्रों से बातचीत करते हुए राज्यपाल ने उन्हें मिठाइयां बांटीं और उनकी पढ़ाई और रुचियों के बारे में सवाल पूछे। उन्होंने उम्मीद जताई कि वे भविष्य में सफल नागरिक बनेंगे। बाद में, राज्यपाल ने चाय फैक्टरी का दौरा किया और टी टेस्टिंग और टूरिस्ट लाउंज का उद्‌घाटन किया। राज्यपाल ने कहा कि उम्मीद है कि मनोहारी टी एस्टेट असम की चाय की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करेगा और आने वालों को चाय उद्योग की परंपराओं और इतिहास के बारे में गहराई से जानने का मौका देगा। फैक्टरी के दौरे के दौरान, राज्यपाल ने एस्टेट में उत्पादित की जा रही चाय की विभिन्न किस्मों के बारे में भी जानकारी ली और उन्हें चाय बनाने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया।

कामरूप में माय भारत जिला सलाहकार समिति की पहली बैठक आयोजित

अमीनगांव (हिंस)। कामरुप जिला विकास आयुक्त (डीडीसी) सुशांत कुमार दत्ता की अध्यक्षता में गुरुवार को अमीनगांव स्थित जिला आयुक्त कार्यालय में माय भारत जिला सलाहकार समिति की पहली बैठक आयोजित की गई। बैठक में कामरूप जिले में चल रहे माय भारत पंजीकरण अभियान को मजबूत करने की रणनीतियों की समीक्षा की गई और पात्र युवाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के उपायों पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीडीसी ने इस पहल के सफल कार्यान्वयन के लिए सभी विभागों के बीच समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विभागों से आग्रह किया कि वे जागरूकता पैदा करने और युवाओं के पंजीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए पंचायती राज संस्थानों, शिक्षण संस्थानों और कॉलेजों के साथ मिलकर काम करें।

पृष्ठ एक का शेष

चढ़ावा चोरी, पेपर...

में खड़ा करेगी। इन गंभीर चिंताओं पर बैठक में विस्तार से चर्चा हुई और पार्टी ने तय किया कि संसद में इन मुद्दों को मजबूती से उठाया जाएगा। बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश और राज्यसभा सांसद सैयद नासिर हुसैन ने पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता की। उन्होंने कहा कि बैठक में उन मुद्दों पर चर्चा हुई जिन्हें पार्टी संसद में उठाएगी। सरकार जिन विधेयकों को लाने की कोशिश में है, उनसे निपटने की रणनीति पर भी विचार किया गया। जयराम रमेश ने कहा कि बैठक करीब डेढ़ घंटे चली और इसमें परिसीमन विधेयक, संविधान संशोधन विधेयक, विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक और एफसीआरए विधेयक पर चर्चा हुई। कांग्रेस इन विधेयकों का पुरजोर विरोध करेगी। रमेश ने कहा कि सरकार 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुला रही है, जिसमें सत्र के एजेंडे की जानकारी दी जाएगी। सर्वदलीय बैठक में 35 लोग शामिल होते हैं लेकिन सरकार की ओर से बोलते केवल चार लोग हैं। कांग्रेस परिसीमन बिल का विरोध करेगी क्योंकि सरकार महिला आरक्षण के नाम पर इसे पास कराना चाहती है। विपक्ष पहले भी इसका विरोध कर चुका है और आगे भी करेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने मानसून सत्र में *दान चोरी,* आस्था के साथ धोखे, परीक्षा और शिक्षा प्रणाली में गड़बड़ियों, नीट परीक्षा विवाद, *ई20 घोटाले,* कमजोर होती विदेश नीति और महंगाई जैसे मुद्दे उठाएगी। सरकार की कथनी और करनी में फर्क है। विपक्ष ने पहले भी महिला आरक्षण का समर्थन किया है, लेकिन सरकार इसे परिसीमन विधेयक से जोड़कर पास उन्होंने कहा कि संसद का मानसून सत्र 19 दिन का होगा, जिसमें 16 दिन कार्यवाही चलेगी। वह सरकार के हर कदम पर सवाल उठाएगी और विपक्षी एकजुटता के साथ जनता के मुद्दों को संसद में मजबूती से रखेगी।

संसद सत्र और भाजपा...

तीसरे चरण में प्रधानमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अलग से चर्चा की। चौथी बैठक अमित शाह और नितिन नवीन के बीच हुई, जबकि पांचवीं बैठक 14 जुलाई की रात गृहमंत्री अमित शाह के आवास पर आयोजित की गई, जिसमें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी शामिल हुए। बाद में नितिन नवीन और बीएल संतोष भी इस बैठक का हिस्सा बने। जानकार मानते हैं कि इन बैठकों की पूरी श्रृंखला का उद्देश्य सरकार और संगठन दोनों स्तरों पर व्यापक रणनीति तैयार करना था। बुधवार रात प्रधानमंत्री आवास पर हुई बैठक को इसी प्रक्रिया का अंतिम और सबसे महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है। बैठक में सबसे पहले 20 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र को लेकर विस्तृत रणनीति पर चर्चा हुई। विपक्ष द्वारा उठाए जाने वाले संभावित मुद्दों, सरकार की विधायी प्राथमिकताओं, संसद के भीतर समन्वय और विभिन्न मंत्रालयों की तैयारियों की समीक्षा की गई। सरकार चाहती है कि संसद सत्र के दौरान प्रमुख विधेयक और नीतिगत फैसले प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किए जाएं तथा विपक्ष के हमलों का तथ्यात्मक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर जवाब दिया जाए। बैठक का दूसरा प्रमुख विषय भाजपा के संगठनात्मक ढांचे में संभावित बदलाव रहा। हाल ही में राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व संभालने वाले नितिन नवीन के नेतृत्व में पार्टी की नई राष्ट्रीय टीम के गठन पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। संगठन में विभिन्न स्तरों पर नई जिम्मेदारियों के वितरण, राज्यों में समन्वय बढ़ाने और चुनावी राज्यों के लिए विशेष रणनीति तैयार करने पर भी चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार केंद्रीय मंत्रिपरिषद में संभावित फेरबदल भी बैठक का एक महत्वपूर्ण एजेंडा था। किन मंत्रियों के विभागों में बदलाव हो सकता है, किन नए चेहरों को सरकार में अवसर दिया जा सकता है और राजग के घटकदलों को किस प्रकार प्रतिनिधित्व दिया जाए, इस पर शीर्ष नेतृत्व के बीच मंथन हुआ। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव वाले राज्यों की राजनीतिक स्थिति की भी समीक्षा की गई। राज्यों में पार्टी संगठन की तैयारियों, प्रचार अभियान, बूथ प्रबंधन, सहयोगी दलों के साथ तालमेल तथा स्थानीय मुद्दों पर विशेष रणनीति तैयार करने पर चर्चा हुई। भाजपा नेतृत्व का फोकस चुनावी राज्यों में संगठन को और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाने पर है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि लगातार कई दौर की बैठकों के बाद प्रधानमंत्री आवास पर हुई यह उच्चस्तरीय बैठक भाजपा और सरकार की आगामी कार्ययोजना का संकेत देती है।

सरकार ने पांच वर्षीय ...

विरासत पर्यटन, नदी पर्यटन और वन्यजीव पर्यटन के माध्यम से। यह ताजा घोषणा ऐसे समय में आई है जब राज्य सरकार बुनियादी ढांचे के विस्तार को पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक कल्याण के साथ संतुलित करते हुए सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखे हुए है। नई पांच वर्षीय योजना के साथ, सरकार का लक्ष्य पिछले दशक में हासिल की गई गति को आगे बढ़ाना और एक उभरते पर्यटन केंद्र के रूप में असम की छवि को और मजबूत करना है, साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि इस क्षेत्र के आर्थिक लाभ राज्य भर के ग्रामीण समुदायों तक पहुंचें।

पुरी रथ यात्रा के ...

कर दिया गया है। उधर, रथयात्रा के दौरान गर्मी, भीड़ और अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के चलते 150 से अधिक श्रद्धालुओं का पुरी जिला मुख्य अस्पताल में उपचार चल रहा है। इस दुखद घटना के बाद श्रीक्षेत्र पुरी में शोक का माहौल है। प्रशासन श्रद्धालुओं से संयम बनाए रखने और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सतर्क रहने की अपील कर रहा है।

कामाख्या मंदिर कॉरिडोर...

राज्य सरकार, कामाख्या मंदिर प्रबंधन समिति और स्थानीय निवासियों के बीच कई दौर की बैठकें और व्यापक चर्चाएं हुईं। प्रशासन की ओर से बताया गया है कि सभी पक्षों की सहमति और सुझावों के आधार पर ही निर्माण का यह प्रारंभिक कार्य शुरू किया गया है। सरकार की योजना के मुताबिक, इस *मां कामाख्या धाम* परियोजना पर 498 करोड़ की लागत आएगी। इसे प्रधानमंत्री के पूर्वोत्तर विकास पहल योजना के तहत क्रियान्वित किया जा रहा है। इस कॉरिडोर के बनने से मंदिर परिसर का क्षेत्रफल वर्तमान के लगभग 3,000 वर्ग फुट से बढ़कर 1,00,000 वर्ग फुट से भी अधिक हो जाएगा। निर्माण कार्य को तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए लोक निर्माण विभाग और आईआईटी गुवाहाटी के साथ मिलकर काम करने का निर्णय लिया गया है। सरकार को उम्मीद है कि कॉरिडोर का निर्माण पूरा होने के बाद देश-विदेश से आने वाले लाखों भक्तों और पर्यटकों की आवाजाही अधिक सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित हो जाएगी। इसके साथ ही, कामाख्या धाम से जुड़े पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था और बुनियादी ढांचे के विकास को भी एक नई दिशा मिलेगी।

लाचित बरफुकन की बायोपिक ...

सेना का नेतृत्व करते हुए जीत दिलाने के लिए जाना जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रस्तावित परियोजना का निर्देशन करने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म *उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक* और आगामी फिल्म *धुरंधर* के निर्देशन के लिए जाने जाने वाले आदित्य धर के साथ बातचीत चल रही है। शर्मा ने कहा कि प्रस्तावित बायोपिक पर विस्तृत चर्चा के लिए अगस्त में धर से उनकी मुलाकात तय है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर धर के साथ सहयोग संभव नहीं हो पाता है, तो सरकार लचित बरफुकन की कहानी को बड़े पर्दे पर लाने के लिए अन्य फिल्म निर्माताओं के साथ काम करने के लिए भी तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर आदित्य धर फिल्म का निर्देशन करने में असमर्थ रहते हैं, तो हम अन्य निर्देशकों से संपर्क करेंगे। हमारा उद्देश्य लाचित बरफुकन पर एक भव्य जीवनी फिल्म बनाना सुनिश्चित करना है। यदि यह सहयोग साकार होता है, तो यह पहली बार होगा जब असम सरकार लचित बरफुकन के जीवन पर आधारित बॉलीवुड स्तर की फीचर फिल्म का समर्थन करेगी। शर्मा ने कहा कि प्रस्तावित फिल्म का उद्देश्य भारत और दुनिया भर के दर्शकों के सामने असम के समृद्ध इतिहास और लाचित बरफुकन की वीरता को प्रदर्शित करना है। असम में लाचित बरफुकन को साहस, देशभक्ति और सैन्य नेतृत्व के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। 1671 में हुए शराईघाट के युद्ध में मुगल सेना पर उनकी विजय को राज्य के इतिहास के निर्णायक क्षणों में से एक माना जाता है।

टीएमसी की राज्यसभा ...

मदन मित्रा ने ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस के बागी खेमे का दामन थाम लिया था। कोयल मल्लिक के इस्तीफे के बाद राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों की संख्या घटकर 9 रह गई। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सुखेंदु शेखर रॉय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बराइक ने राज्यसभा की सदस्यता और तृणमूल कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया था। इसके बाद तीनों ने राज्यसभा उपचुनाव के लिए नामांकन भी किया है।

कांग्रेस ने विस की...

बधाई दी, लेकिन साथ ही मौजूदा विधानसभा सत्र के दौरान संसदीय मानकों में आई गिरावट पर *गहरी चिंता* व्यक्त की। मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए कि स्पीकर ने 13 जुलाई को पार्टी के वशिष्ठ राज्य मुख्यालय में भाजपा की नीति-निर्माण समिति की बैठक में भाग लिया था, विपक्ष के नेता ने कहा कि हालांकि एक सार्वजनिक राजनीतिक कार्यक्रम में भाग लेना समझ में आता है, लेकिन सत्तारूढ़ पार्टी की आंतरिक नीति बैठक में भाग लेना स्पीकर से अपेक्षित राजनीतिक तटस्थता के संवैधानिक दायित्व के साथ असंगत है। असम विधानसभा के लगभग 89 साल के इतिहास में इस घटनाक्रम को अभूतपूर्व बताते हुए, सैकिया ने आरोप लगाया कि इस तरह की कार्रवाइयों ने अध्यक्ष की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं और लोकतांत्रिक संस्थानों में जनता के विश्वास को कमजोर कर सकती हैं। कांग्रेस नेता ने प्रश्नकाल और शून्यकाल के दौरान मंत्रियों के कामकाज की भी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का सीधे जवाब देने के बजाय, मंत्री अक्सर राजनीतिक हमलों, प्रतिप्रश्नों और विपक्ष पर जिम्मेदारी डालने वाली टिप्पणियों का सहारा लेते हैं। उन्होंने सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पीयूष हजारिका और वित्त मंत्री अजंता नियोग के बीच हाल ही में हुए आदान-प्रदान का हवाला देते हुए दावा किया कि उनकी प्रतिक्रियाएं संवैधानिक सिद्धांतों और संसदीय परंपराओं के अनुरूप नहीं थीं। सैकिया के अनुसार, मंत्री संवैधानिक रूप से स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने और कानूनों को लागू करने के लिए बाध्य हैं, न कि यह सुझाव देने के लिए कि कार्रवाई विपक्ष के विचारों पर निर्भर करती है। स्पीकर के हस्तक्षेप की मांग करते हुए, विपक्ष के प्रतिनिधि ने विधानसभा की कार्यवाही की समीक्षा करने, संसदीय आचरण पर मंत्रियों के लिए नए दिशानिर्देश जारी करने और सदन के अंदर मर्यादा का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने विधायी गरिमा, संवैधानिक जवाबदेही और अध्यक्ष की निष्पक्षता की रक्षा पर आम सहमति बनाने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाने का भी प्रस्ताव रखा।

लंबित बीमारी अवकाश ...

था। अगर तुरंत भुगतान नहीं किया गया, तो हम आंदोलन शुरू करने के लिए मजबूर होंगे, एसोसिएशन के सदस्य रतुल चंद्र गोस्वामी ने कहा। शिक्षकों के संगठन ने राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) और हाल ही में शुरू की गई एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) दोनों को खारिज कर दिया, और कहा कि ओपीएस ही उनका एकमात्र स्वीकार्य पेंशन मॉडल है। गोस्वामी ने कहा कि हम एनपीएस और यूपीएस दोनों का विरोध करते हैं। हम केवल पुरानी पेंशन योजना का समर्थन करते हैं। कुछ कर्मचारियों द्वारा एनपीएस को प्राथमिकता देने के दावों से हमें कोई लेना-देना नहीं है। अखिल असम श्रमिक परिषद लगातार एनपीएस को रद्द करने और पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की मांग करती रही है। बीमारी की छुट्टी के बकाया भत्ते का भी भुगतान किया जाना चाहिए क्योंकि यह हमारा वैध अधिकार है। यह प्रतिक्रिया तब आई जब मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने विधानसभा में बजट पर चर्चा के दौरान, कर्मचारियों को यूपीएस में स्थानांतरित होने का विकल्प प्रदान करते हुए एनपीएस को बरकरार रखने के सरकार के निर्णय का बचाव किया। मुख्यमंत्री ने तर्क दिया कि राज्य सरकार द्वारा भर्ती किए गए 1.5 लाख से अधिक युवा पहले से ही राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) के अंतर्गत आते हैं और कहा कि यह योजना कई मामलों में सेवानिवृत्ति के बाद बेहतर लाभ प्रदान कर सकती है। उन्होंने आगे कहा कि सरकारी कर्मचारियों को एनपीएस के अंतर्गत बने रहने या यूपीएस (यूपीएस) का विकल्प चुनने की स्वतंत्रता होगी। बुधवार को विधानसभा में पेंशन का मुद्दा भी उठा, जब वित्त मंत्री जयंत मल्लबरुआ ने सदन को सूचित किया कि सरकार उन कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की प्रक्रिया में है जिनकी भर्ती प्रक्रिया 1 फरवरी, 2005 से पहले शुरू हुई थी। उन्होंने कहा कि वित्त विभाग ने राज्य की *अस्तादश मुकुटर उन्नोयोनी माला* पहल के तहत की गई बजट घोषणा को लागू करने के लिए मार्च 2025 में सभी प्रशासनिक विभागों से विस्तृत जानकारी मांगी थी। वित्त मंत्री ने विधानसभा को यह भी सूचित किया कि राज्य ने जून 2026 से महंगाई भत्ता और महंगाई राहत में 60 प्रतिशत की वृद्धि की है, लेकिन स्पष्ट किया कि वेतन संशोधन और सेवा लाभों का समय राज्य की वित्तीय स्थिति और राज्य वेतन आयोग की सिफारिशों द्वारा निर्धारित किया जाता है।

भारतीय निर्वाचन प्रणाली ...

संवाद कार्यक्रम के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने भारत की विशिष्ट निर्वाचन प्रणाली की विशेषताओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रश्नोत्तरी सत्र में उन्होंने बीएलओ, सुपरवाइजरों एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों से संवाद करते हुए हाल में हुए चुनावों में बड़ी मतदाता भागीदारी, निष्पक्ष मतदान, पारदर्शी मतगणना तथा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में उनके योगदान की सराहना की। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि देश के लगभग 95 करोड़ मतदाताओं में से 60 करोड़ मतदाताओं का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जबकि शेष लगभग 35 करोड़ मतदाताओं का पुनरीक्षण कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि विश्व के 35 सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों के निर्वाचन प्रबंधन संस्थानों के समूह इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस (इंटरनेशनल आईडीईए) की अध्यक्षता वर्तमान में भारत निर्वाचन आयोग कर रहा है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से लेकर मतदान एवं मतगणना तक प्रत्येक चरण में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाती है, जिससे पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी एवं विश्वसनीय बनी रहती है। ज्ञानेश कुमार ने बताया कि देश में एक मतदान केंद्र पर औसतन 873 मतदाता हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करते हैं तथा अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं डुप्लीकेट आदि मतदाताओं से संबंधित प्रविष्टियों का परीक्षण करते हैं। इसके आधार पर तैयार ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन से पूर्व संबंधित मतदान केंद्र के लिए राजनीतिक दलों द्वारा नामित बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के साथ बैठक कर उनका सत्यापन एवं हस्ताक्षर प्राप्त किए जाते हैं। इस पूरी प्रक्रिया को कंकरेंट ऑडिट कहा जाता है। बीएलए के सत्यापन एवं हस्ताक्षर के उपरांत ही ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित की जाती है। यह व्यवस्था मतदाता सूची निर्माण प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाती है। इस अवसर पर मुरादाबाद मंडल के मंडलायुक्त आञ्जनेय कुमार सिंह, पुलिस उपमहानिरीक्षक मुनिराज जी, जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र पैंसिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल, नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल, अपर जिलाधिकारी प्रशासन/उप जिला निर्वाचन अधिकारी संगीता गौतम सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हसीना की वापसी की...

छापेमारी के दौरान कई लोगों को हिरासत में लिया गया। इसके बाद पुलिस का आरोप है कि मस्जिद के लाउडस्पीकर से घोषणा कर लोगों को बुलाया गया और पुलिस टीम पर हमला कर दिया गया। इस दौरान दो पुलिस वाहनों में तोड़फोड़ की गई और हिरासत में लिए गए लोगों को छुड़ा लिया गया। घटना में थाना प्रभारी मुजफ्फर हुसैन और कांस्टेबल सबुज हुसैन घायल हो गए, जिन्हें स्थानीय निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया। पुलिस ने आरोप लगाया है कि इस हमले के दौरान सुजानगर उपजिला अवामी लीग के अध्यक्ष अब्दुल वहाब भी मौके पर मौजूद थे। हालांकि अब्दुल वहाब ने इस दावे को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी के डर से वह जिले से बाहर रह रहे हैं और पुलिस के डर से इलाके में भी नहीं जा सकते। उनके मुताबिक, गांव के युवाओं ने रात में फुटबॉल मैच देखने के बाद खिचड़ी खाने का कार्यक्रम रखा था। पुलिस वहां पहुंची और 10 से 12 लोगों को हिरासत में ले लिया। बाद में खबर मिलने पर स्थानीय लोग, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं, घरों से बाहर निकले और हिरासत में लिए गए लोगों को छुड़ा लिया।

उम्रदराज-गंभीर बीमारियों ...

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह भी आदेश दिया कि वो इस निर्देश के पालन के बारे में 6 महीने के भीतर एक हलफनामा दाखिल करें। कोर्ट ने यह फैसला राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) की उस याचिका पर सुनाया, जिसमें 70 साल से ज्यादा उम्र के और लाइलाज बीमारी से पीड़ित कैदियों को जमानत पर रिहा करने का अनुरोध किया गया था। याचिका में कोर्ट से कहा गया था कि 70 साल से ज्यादा उम्र के कैदियों और लाइलाज बीमारी से पीड़ित बंदियों की रिहाई को सुगम बनाने के लिए जरूरी निर्देश जारी किए जाएं। याचिका में कहा गया था कि लाइलाज बीमारी से पीड़ित और उम्रदराज कैदियों को विशेष चिकित्सा देखभाल तथा उन पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान दिए जाने की आवश्यकता होती है, लेकिन जेलों में क्षमता से अधिक कैदी होने के कारण जेल प्रशासन के लिए ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराना कठिन हो जाता है। फैसला सुनाते हुए बेंच ने कहा कि सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश इस निर्णय की तिथि से तीन महीने के भीतर उम्रदराज और/या लाइलाज बीमारी से पीड़ित कैदियों की जल्द और समयपूर्व रिहाई के लिए एक व्यापक नीति तैयार कर उसे अधिसूचित करें। बेंच ने कहा कि राज्यों को अपनी नीति एनएएलएसए के साथ परामर्श करके बनानी होगी, जिससे पात्र कैदियों की पहचान और प्रक्रिया में बेहतर तालमेल हो सके।

मणिपुर में उग्रवादी...

दौरान चार संशोधित बोल्ट-एक्शन सिंगल बैरल राइफल, एक संशोधित .303 राइफल, टेलीस्कोपिक साइट लगी एम-2 कार्बाइन राइफल, एक 9 एमएम पिस्तौल और विभिन्न बोर के 26 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। इसी तरह जिरीबाम जिले के मोंगबुंग गांव के निकट जंगल क्षेत्र में चलाए गए एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने एक पम्पी गन, दो देशी पिस्तौल, दो हैंड ग्रेनेड, चार सिंगल बैरल बंदूकें और विभिन्न बोर के 331 जिंदा कारतूस बरामद किए। इसके अलावा तीन 51 एमएम मोर्टार गोले, विभिन्न हथियारों के 17 मैगजीन, बुलेटप्रूफ जैकेट कवर, जंगल जूते और सैन्य उपयोग की अन्य सामग्री भी जब्त की गई। दूसरी ओर, इंफाल पूर्व जिले में मणिपुर पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से एक .38 कैलिबर पिस्तौल, दो मैगजीन और 11 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। इसी जिले में सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन केसीपी-एमसी (प्रोग्रेसिव) के सक्रिय सदस्य को भी गिरफ्तार किया। उसे पोरोमपट थाना क्षेत्र के खुरई अहोंगेई थांगजाम लीकाई इलाके से पकड़ा गया। उधर, उखरूल जिले के टीएम कासोम और सिकिबुंग गांवों में खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान में चार लोगों को हिरासत में लिया गया। उनके पास से दो सिंगल बैरल बंदूकें, कारतूस और एक वायरलेस संचार उपकरण बरामद किया गया। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में अवैध हथियारों की आवाजाही रोकने और छिपाकर रखे गए हथियारों को बरामद करने के लिए तलाशी और क्षेत्र प्रभुत्व अभियान लगातार जारी रहेगा। बरामद हथियारों और गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर आगे की जांच की जा रही है।

धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें ...

से अनशन कर रहे हैं। हमारे देश में ऐसे बहुत से टीचर्स हैं, जब उन्होंने अपने-अपने राज्य से आवाज उठाई तो उनको गिरफ्तार कर लिया गया। उनकी आवाज को दबाया गया। मैं उन्हें भी सलाम करता हूं। मैं लद्दाख के लोगों को भी सलाम करता हूं। आम आदमी पार्टी मुखिया ने कहा कि कंपटेटिव एग्जाम छात्रों के लिए भविष्य का सपना होते हैं। मैंने भी आईआईटी से पढ़ाई की है। मेरे और बच्चों के टाइम पर भी पेपर लीक नहीं होते थे। ये हर साल का सिस्टम बन गया है। हर साल पेपर लीक होता है। कमेटी बनती है और जांच होती है लेकिन होता कुछ नहीं है। फिर से पेपर लीक की तैयारी होती है। पेपर लीक के बाद 30 बच्चों ने सुसाइड किया, वो हमारे घरों के बच्चे थे। केजरीवाल ने कहा कि ये इस पेपर लीक को युवा कब तक बर्दाश्त करे, ये सिस्टम बदलना पड़ेगा।

गवर्नर ने मनोहरि टी एस्टेट का दौरा किया, टी टेस्टिंग और टूरिस्ट लाउंज का उद्घाटन किया

गुवाहाटी। डिब्रूगढ़ जिले के अपने दो दिन के दौरे के आखिरी चरण में, असम के गवर्नर श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने मनोहरि टी एस्टेट का दौरा किया और चाय बागान के मजदूरों, मनोहरि टीई एलपी स्कूल के छात्रों और एस्टेट समुदाय के सदस्यों से बातचीत की। बातचीत के दौरान, गवर्नर श्री आचार्य ने चाय बागान समुदाय को दी जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और सुविधाओं के बारे में जानकारी ली, खासकर साफ-सफाई, पीने के पानी, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा के क्षेत्रों में। उन्होंने मजदूरों से उनके सर्वांगीण विकास और भलाई के लिए शुरू की गई कल्याणकारी पहलों के बारे में उनकी राय भी जानी। छात्रों से बातचीत करते हुए, गवर्नर ने उन्हें मिठाइयाँ बांटीं और उनकी पढ़ाई और रुचियों के बारे में सवाल पूछे। उन्होंने उम्मीद जताई कि वे भविष्य में सफल नागरिक बनेंगे। बाद में, गवर्नर ने चाय फैक्टरी का दौरा किया और टी टेस्टिंग और टूरिस्ट लाउंज का उद्घाटन किया। उम्मीद है कि यह असम की चाय की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करेगा और आने वालों को चाय उद्योग की परंपराओं और इतिहास के बारे में गहराई से जानने का मौका देगा।

भाजपा ने असममाला-4 को बताया विकास का नया रोडमैप

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में राज्य के बुनियादी ढांचे को नई गति देने के लिए महत्वाकांक्षी *असममाला-4* परियोजना की घोषणा की है। इस योजना के तहत 800 किलोमीटर नई सड़कों के निर्माण के लिए 10,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इसे राज्य को देश के प्रमुख विकास केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। प्रदेश भाजपा की ओर से जारी बयान में कहा गया कि *असममाला* 1, 2 और 3 के सफल समापन के बाद अब राज्य के बुनियादी ढांचे के विकास को गति देने के लिए *असममाला* 4 की शुरुआत की जाएगी। *असममाला* का तात्पर्य असम में वर्तमान में निर्माणाधीन 10 से 12 मीटर चौड़ी लंबी दूरी की सड़कों से है। *असममाला* 3 के तहत, असम सरकार ने पहले ही असम के 34 जिलों में लगभग 3,217 करोड़ की लागत से 880 किलोमीटर सड़कें और 34 नए पुल पूरे कर लिए हैं। इस वर्ष के बजट में वित्त मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने *असममाला* 4 के लिए 10,000 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं, जिसका उद्देश्य 800 किलोमीटर नई सड़कों का निर्माण करना है। साथ ही गुवाहाटी से सिलचर तक एक हाई-स्पीड इकोनॉमिक कॉरिडोर के निर्माण का भी उल्लेख है। यह परियोजना गुवाहाटी और सिलचर के बीच यात्रा के समय को वर्तमान 10 घंटे से घटाकर 5 घंटे कर देगी। इसके अलावा, गुवाहाटी से सिलीगुड़ी तक एक हाई-स्पीड कॉरिडोर भी बनाया जाएगा। बजट में असम के पर्यटन क्षेत्र को और बेहतर बनाने के लिए उमरांग्सो तक एक रेलवे लाइन के निर्माण का भी उल्लेख किया गया है। मानस नेशनल पार्क, हाफलोंग और उमरांग्सो में फाइव-स्टार होटलों को मंजूरी दी गई है। बजट में बताए गए रूपसी एयरपोर्ट के अपग्रेडेशन और सिलचर में डोलू ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के निर्माण से असम के ट्रांसपोर्ट सेक्टर में बड़ा योगदान मिलेगा। रूपसी एयरपोर्ट के अपग्रेडेशन से भूटान और बांग्लादेश के साथ-साथ असम के धुबड़ी और कोकराझाड़ जिलों के बीच ट्रांसपोर्ट और व्यापार मजबूत होगा। इसके अलावा, गुवाहाटी एयरपोर्ट से जालुकबारी तक एक फ्लाईओवर बनाने की योजना है, जिससे गुवाहाटी एयरपोर्ट से गुवाहाटी शहर के प्रवेश द्वार जालुकबारी तक 7 से 10 मिनट में पहुंचा जा सकेगा। बयान में कहा गया है कि अगले 5 साल में असम को भारत का एक विकसित राज्य बनाने के लक्ष्य के साथ, यह बजट ग्रीन एनर्जी पर भी जोर देता है। राज्य *पंपेड स्टोरेज पावर* का इस्तेमाल करके कार्बी आंगलोंग और डिमा हसाओ जिलों में ज्यादा बिजली पैदा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। असम के विकास में हमारे शहरों की अहम भूमिका है इसलिए, इस बजट में गुवाहाटी एयरपोर्ट के आस-पास *एरो सिटी* बनाने और गुवाहाटी में *सैटेलाइट टाउनशिप* बनाने का ज़िक्र है, जिससे नागरिकों को एक सुंदर और नए सिरे से नियोजित गुवाहाटी शहर मिल सकेगा।

स्वस्थ डॉक्टरों से ही बनेगा स्वस्थ समाज : मंत्री अशोक सिंघल

गुवाहाटी (हिंस)। युवा पीढ़ी और मेडिकल छात्रों के बीच स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (एसएसयूएचएस) ने गुरुवार को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में *आपका भविष्य: स्वस्थ जीवनशैली की आदतें* शीर्षक के तहत एक दिवसीय स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में असम के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान मंत्री अशोक सिंघल ने स्वस्थ जीवनशैली की आदतों को अपनाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ डॉक्टरों के बिना स्वस्थ समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। भविष्य के डॉक्टर, जिन पर समाज की देखभाल की जिम्मेदारी है, उन्हें सबसे पहले अपनी खुद की सेहत और भलाई का ध्यान रखना चाहिए। मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और मानसिक स्वास्थ्य जैसी बीमारियों की ओर ध्यान आकर्षित कराते हुए उन्होंने इलाज से अधिक रोकथाम को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने स्वस्थ जीवनशैली के पांच स्तंभों पर प्रकाश डाला: संतुलित आहार, नियमित शारीरिक गतिविधि, मानसिक स्वास्थ्य, तंबाकू, शराब और अन्य नशों से मुक्ति और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा केवल अस्पतालों में ही शुरू नहीं होती, बल्कि व्यक्ति अपने परिवार, शिक्षण संस्थानों, कार्यस्थलों और समुदायों में हर दिन जो स्वस्थ विकल्प चुनते हैं, उनसे भी इसकी शुरुआत होती है। मंत्री सिंघल ने कहा कि संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, मानसिक शांति, पर्याप्त नींद और अनुशासित जीवनशैली बीमारियों से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है। उन्होंने पूरे राज्य में अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

डिब्रूगढ़ में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव में शामिल हुए राज्यपाल

गुवाहाटी। असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने डिब्रूगढ़ में *श्री श्री जगन्नाथ कल्चरल ट्रस्ट* द्वारा आयोजित जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव में भाग लिया और इस शुभ अवसर पर भक्तों को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। अपनी शुभकामनाएं देते हुए राज्यपाल श्री आचार्य ने कहा कि रथ यात्रा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक मूल्यों, सामाजिक सद्भाव और समावेशिता का एक कालातीत प्रतीक है। भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की दिव्य यात्रा लोगों को करुणा, निस्वार्थ सेवा और समाज के कल्याण के प्रति समर्पण के आदर्शों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करती है। *श्री श्री जगन्नाथ कल्चरल ट्रस्ट* के प्रयासों की सराहना करते हुए, राज्यपाल ने डिब्रूगढ़ और अन्य जगहों पर सांस्कृतिक जागरूकता, समाज सेवा और सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए संगठन की प्रशंसा की। उन्होंने युवाओं से आधुनिकता को अपनाते हुए भारत की सांस्कृतिक विरासत को संजोने का आह्वान किया और नागरिकों से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आग्रह किया। भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का आशीर्वाद मांगते हुए, राज्यपाल ने असम और देश के लोगों के लिए शांति, समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और प्रगति की कामना की।

एसएसबी ने *बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ* के अंतर्गत रोड शो एवं जागरूकता कार्यक्रम चलाया

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के सोनापुर स्थित प्रथम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के कमांडेंट सुनील कौशिक के मार्गदर्शन में ए समवाय के द्वारा आज रोवता के अपने कार्यक्षेत्र में *बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ* अभियान के अंतर्गत रोड शो एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देना, लैंगिक भेदभाव को समाप्त करना एवं बेटियों के अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम की शुरुआत समवाय के जवानों, स्थानीय स्कूली छात्राओं एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा बैनर और तख्तियों के साथ रोड शो से हुई। रोड शो में *पढ़ेगी बेटी तो बढ़ेगा देश, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ* जैसे नारे लगाए गए। इसके पश्चात जागरूकता सभा का आयोजन किया गया जिसमें ए समवाय प्रभारी सहायक कमांडेंट विद्या प्रकाश ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि *बेटियां समाज और राष्ट्र की शक्ति हैं। उन्हें शिक्षा और समान अवसर देना हम सभी का कर्तव्य है।* सभा में बालिका स्वास्थ्य, शिक्षा, कानूनी अधिकार एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का संदेश दिया गया।

सिलचर की कैपिटल पॉइंट-रोंगिरखाड़ी रोड का काम अब पीडब्ल्यूडी को

कछार (हिंस)। असम सरकार ने कछार जिला मुख्यालय शहर सिलचर में कैपिटल पॉइंट-रोंगिरखाड़ी रोड के पुनर्निर्माण का काम राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) से राज्य के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को सौंपने का फैसला किया है। इस कदम का मकसद लंबे समय से अटकी इस परियोजना में तेजी लाना है। यह फैसला गुरुवार को कछार जिला आयुक्त कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में असम के मंत्री कृष्णेंदु पॉल और कौशिक राय की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक के बाद लिया गया। बैठक में जिला प्रशासन, एनएचआईडीसीएल, पीडब्ल्यूडी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचईडी), सिलचर नगर निगम और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हुए। मीडिया से बात करते हुए कृष्णेंदु पॉल ने कहा कि यह फैसला मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के निर्देशों पर लिया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सड़क का पुनर्निर्माण सरकारी मानकों के अनुसार हो। उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी इस परियोजना के लिए लागत का नया अनुमान तैयार करेगा और सभी प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद, मौजूदा सड़क की खराब ऊपरी परत को हटाकर नई सतह बनाएगा। मंत्री ने कहा कि भारी बारिश, चल रहे फोर-लेन हाईवे निर्माण और पुल के खंभों के लिए खुदाई के काम के कारण सड़क की हालत खराब हो गई थी। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों को मॉनसून के मौसम के तुरंत बाद पुनर्निर्माण का काम शुरू करने का निर्देश दिया गया है। कौशिक राय ने कहा कि हाल के महीनों में सड़क की खराब हालत को लेकर एनएचआईडीसीएल की जनता ने आलोचना की थी। उन्होंने कहा कि हालांकि, कंक्रीट ब्लॉक लगाने जैसे अस्थायी उपाय किए गए थे, लेकिन उनसे कोई स्थायी समाधान नहीं निकला। मंत्रियों ने यह भी घोषणा की कि जल्द ही कैपिटल पॉइंट-रोंगिरखाड़ी हिस्से पर भारी वाहनों के चलने पर रोक लगा दी जाएगी। पुनर्निर्माण पूरा होने तक ऐसे वाहनों को वैकल्पिक बाईपास रूट पर डायवर्ट किया जाएगा। कैपिटल पॉइंट-रोंगिरखाड़ी रोड सिलचर में एक मुख्य सड़क मार्ग है और इसकी खराब हालत के कारण यात्रियों और निवासियों को लंबे समय से परेशानी हो रही है। सरकार ने कहा कि प्रोजेक्ट को पीडब्ल्यूडी को सौंपने से काम तेजा से होने की उम्मीद है।

होजाई में साहित्यिक समुदाय ने पद्मश्री गीता उपाध्याय को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की

होजाई (निसं)। साहित्यकार पद्मश्री गीता उपाध्याय के असमय निधन पर होजाई साहित्य सभा व होजाई जिला नेपाली साहित्य सभा ने मिलकर 15 जुलाई की संध्या 6 बजे होजाई साहित्य सभा के बेजबरुवा भवन में श्रद्धांजलि और स्मृतिचर्चा का आयोजन किया। शहर के लगभग पचास से अधिक साहित्यसेवियों ने इस गंभीर और संवेदनशील कार्यक्रम में शिरकत कर शोक व्यक्त किया। कार्यक्रम की शुरुआत पूर्व अध्यक्ष दयाल चंद्र क्रो ने स्व. गीता उपाध्याय की प्रतिमा के समक्ष दीप जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित कर की। होजाई जिला नेपाली साहित्य सभा के अध्यक्ष-दिल्लीराम गौतम ने पुष्पांजलि अर्पित की। उसके बाद असम साहित्य सभा के नाट्य-साहित्य उपसमिति के कार्यकारी अध्यक्ष अनुप कुमार बरठाकुर, असम नेपाली साहित्य सभा के राज्यीय कार्यनिरवाहक हरी अधिकारी, होजाई आंचलिक कर्मचारी परिषद के सचिव दिलीप सैकिया तथा होजाई जिला ज्येष्ठ नागरिक सम्मेलन के अध्यक्ष कृष्ण कुमार शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोगों ने सामूहिक रूप से पुष्पांजलि अर्पित की।

मायुमं समृद्धि शाखा का छठवां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ संपन्न

नगांव (निसं)। मारवाड़ी युवा मंच, नगांव समृद्धि शाखा के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण, भावनात्मक एवं अविस्मरणीय रहा 14 जुलाई का दिन। वर्ष 2021 में सेवा, संगठन एवं संस्कारों के उद्देश्य से स्थापित मायुमं समृद्धि शाखा ने अपने सफल छह वर्षों की गौरवशाली यात्रा पूर्ण करते हुए अपना छठवा स्थापना दिवस पूरे उत्साह, उल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया। इस अवसर पर शाखा की स्थापना में संस्थापक अध्यक्षा रिंकू गिदड़ा के प्रेरणादायी नेतृत्व एवं अमूल्य योगदान का विशेष स्मरण करते हुए उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रांत कार्यकारिणी सदस्य विनीत मोर, विवेक तोदी, संस्थापक अध्यक्षा रिंकू जी गीदड़ा एवं पूर्व अध्यक्षा ममता जी सिंघी की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह की शोभा बढ़ाई। सभी अतिथियों ने शाखा की निरंतर प्रगति, सेवा कार्यों एवं संगठन के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए सदस्यों का उत्साहवर्धन किया तथा भविष्य में भी इसी ऊर्जा और एकजुटता के साथ समाजसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। स्थापना दिवस के अवसर पर शाखा के सभी पूर्व पदाधिकारियों को उनके कार्यकाल में दिए गए अमूल्य योगदान, उत्कृष्ट नेतृत्व एवं संगठन के प्रति समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। उनके अथक प्रयासों एवं मार्गदर्शन से ही शाखा ने निरंतर प्रगति के नए आयाम स्थापित किए हैं। इस शुभ अवसर पर प्रांत द्वारा प्रारंभ की गई नई सेवा परियोजना *संजीवनी किट* का विधिवत शुभारंभ भी किया गया। यह परियोजना आवश्यकता पड़ने पर समाज के लोगों तक आवश्यक स्वास्थ्य सहायता पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस सेवा परियोजना को साकार करने में शाखा सदस्या श्रीमती पूनम बगड़िया का विशेष योगदान रहा, जिसके लिए शाखा परिवार ने उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों ने मिलकर स्थापना दिवस का केक काटा और छह वर्षों की सफल यात्रा का उत्सव मनाया।

कोकराझाड़ में विश्व हिंदू महासंघ की बैठक संपन्न, नवंबर में होगा भव्य महायज्ञ

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ शहर के मौवन भवन में गुरुवार को विश्व हिंदू महासंघ की कोकराझाड़ जिला समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन को मजबूती प्रदान करने और आगामी कार्ययोजनाओं को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश एवं जिला स्तर के शीर्ष पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। मुख्य रूप से असम राज्य अध्यक्ष हिराक नाथ, कोकराझाड़ जिला अध्यक्ष रंजीत घोषाल, कोकराझाड़ जिला मुख्य उपाध्यक्ष बटुक भैरव चक्रवर्ती और जिला महासचिव रंजय साहा ने संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने पर बल दिया। पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि संगठन सामाजिक कार्यों में अपनी सक्रिय भागीदारी को और अधिक बढ़ाएगा। बैठक के दौरान समाज में नारी सुरक्षा को लेकर गंभीर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं का सम्मान और उनकी सुरक्षा संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इस विषय पर कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए। बैठक का सबसे मुख्य आकर्षण आगामी नवंबर माह में आयोजित होने वाला *विश्व शांति महायज्ञ* रहा। पदाधिकारियों ने बताया कि कोकराझाड़ शहर में आयोजित होने वाले इस भव्य अनुष्ठान में न केवल भारत के विभिन्न प्रांतों से, बल्कि पड़ोसी देश नेपाल से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु और संत-महात्मा शामिल होंगे। इस महत्वपूर्ण बैठक में विश्व हिंदू महासंघ के सैकड़ों कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे, जिन्होंने महायज्ञ को सफल बनाने के लिए तन-मन-धन से जुटने का संकल्प लिया।

गुवाहाटी शहर ने होटल ताज विवांता में डूरंड कप ट्रॉफियों का किया स्वागत

गुवाहाटी। गुवाहाटी शहर ने आज होटल ताज विवांता में मशहूर डूरंड कप ट्रॉफियों का स्वागत किया। इसके साथ ही 135वें इंडियन ऑयल डूरंड कप के लिए ट्रॉफी टूर की शुरुआत भी हो गई। इन तीन ऐतिहासिक ट्रॉफियों का आगमन भारत के प्रतिष्ठित और एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए उल्टी गिनती शुरू होने का संकेत है। यह टूर्नामेंट खेल में सदियों पुरानी उत्कृष्टता का जश्न मनाता है और साथ ही असम की फुटबॉल की समृद्ध परंपरा को भी मजबूत करता है। ट्रॉफी डिस्प्ले समारोह में असम के खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वजीत दैमारी मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। उनके साथ खेल और युवा कल्याण विभाग के विशेष सचिव कौसर जमील हिलाली (आईएएस, रिटायर्ड), खेल और युवा कल्याण विभाग, असम के निदेशक अंकुर भराली (एसीएस) और मशहूर फुटबॉलर पार्थिब सुंदर गोगोई भी मौजूद थे। इन सभी की मौजूदगी ने फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए राज्य की अटूट प्रतिबद्धता को उजागर किया। भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व मेजर जनरल दिनेश कुमार सिंह (एसएम, वीएसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, बंगाल सब एरिया), मेजर जनरल अमित धीर (वीएसएम, चीफ ऑफ स्टाफ, गजराज कोर) और ब्रिगेडियर अनुपम शर्मा (कमांडर, तामुलपुर ब्रिगेड) ने किया। इस कार्यक्रम ने खेलों को बढ़ावा देने, युवाओं को सशक्त बनाने और सशस्त्र बलों तथा पूर्वोत्तर के लोगों के बीच मजबूत रिश्ते को और पक्का करने के लिए भारतीय सेना की प्रतिबद्धता को दोहराया। उद्घाटन भाषण देते हुए मेजर जनरल अमित धीर ने असम और पूर्वोत्तर भारत - जो भारतीय फुटबॉल का गढ़ है - में डूरंड कप आयोजित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। मेजर जनरल दिनेश कुमार सिंह (एसएम, वीएसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, बंगाल सब एरिया और डूरंड कप फुटबॉल समिति के उपाध्यक्ष) ने कार्यक्रम के आयोजन में शामिल सैन्य और नागरिक एजेंसियों के प्रयासों की सराहना की और इस क्षेत्र में फुटबॉल का समर्थन और प्रचार करने के निरंतर प्रयासों को दोहराया। अपने भाषण में पार्थिब सुंदर गोगोई ने लोगों का उत्साह बढ़ाया और उनसे आने वाले मैचों को देखने के लिए बड़ी संख्या में पहुंचने की अपील की। असम के खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वजीत दैमारी ने मुख्य भाषण दिया, जिसमें उन्होंने असम राज्य के लिए फुटबॉल के महत्व पर प्रकाश डाला और असम में डूरंड कप के आयोजन में भारतीय सेना के अथक प्रयासों के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

फकीराग्राम और विश्वनाथ में श्रीश्री जगन्नाथ की रथ यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

कोकराझाड़/विश्वनाथ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम में गुरुवार को भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथ यात्रा पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई। फकीराग्राम कुमारगंज बाजार कमिटी के तत्वावधान में आयोजित इस भव्य रथ यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। दोपहर चार बजे शुरू हुई इस रथ यात्रा में भगवान जगन्नाथ के दर्शन पाने के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। *जय जगन्नाथ* के उद्घोष के साथ श्रद्धालु भक्ति भाव में डूबे नजर आए। इस दौरान भक्तों में रथ की रस्सी को खींचने के लिए होड़ मची रही। लोगों का मानना है कि रथ को खींचने मात्र से ही सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। रथ यात्रा फकीराग्राम बाजार के मुख्य मार्गों से होते हुए निकली। यह यात्रा पुराणबाजार स्थित दुर्गा मंदिर पहुंची, जहां से होते हुए दोपहरटोल के राधा-गोबिंदो मंदिर और अंत में कॉलोनी स्थित लोकनाथ बाबा मंदिर में जाकर संपन्न हुई। इस अवसर पर स्थानीय निवासियों ने सेवा भाव का परिचय देते हुए जगह-जगह पर भक्तों के लिए शीतल जल और शर्बत की व्यवस्था की थी। भीषण गर्मी के बीच भक्तों के लिए की गई यह सेवा सराहनीय रही। रथ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। पूरे मार्ग पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था देखी गई, ताकि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के भगवान की झलक पा सकें और शांतिपूर्ण ढंग से रथ यात्रा संपन्न हो सके। **विश्वनाथ** से हमारे संवाददाता के अनुसार समग्र राज्य के साथ विश्वनाथ में भी आज श्री श्रीजगन्नाथ रथ यात्रा निकाला गया। विश्वनाथ जिले के बाघमारी में स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में में अनगिनत श्रद्धालुओं के बीच जगन्नाथ देव का श्रृंगार किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं द्वारा भजन कीर्तन और प्रभु को भोग अर्पित किया गया। जिले के सभी इस्कॉन मंदिर के श्रद्धालु की भीड़ उमड़ी। सर्वप्रथम सुबह भगवान जगन्नाथ का मंगल आरती, दर्शन आरती और श्रील प्रभुपाद का गुरु पूजन किया गया। इसके बाद महाप्रसाद वितरण किया गया। इसके बाद रथयात्रा महोत्सव में रथ में भगवन जगन्नाथ,बलभद्र, सुभद्रा को आसन बैठाया गया। पूजा-अर्चना किया गया। इधर रथयात्रा को बाघमारी श्री जगन्नाथ मंदिर से राष्ट्रीय मार्ग 15 से होते हुए विश्वनाथ चारिआलि शहर में परिक्रमा कराया गया। परिक्रमा के बाद श्री श्री जगन्नाथ रथयात्रा को पाभोई रोड में स्थित श्री श्री सार्वजनिक धर्मशाला प्रांगण में समापन हुई। इसके बाद प्रभु जगन्नाथ को प्रांगण के अस्थाई मंदिर में विराजमान करवाया गया।इस रथयात्रा के रस्सी खींचने के लिए श्रद्धालुओं की ताँता लगा रहा। रथ यात्रा का उद्घाटन विश्वनाथ के पूर्व विधायक प्रमोद बरठाकुर ने किया। इस रथयात्रा महोत्सव में विश्वनाथ चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह, समाजसेवक रवींद्र सिंह, बजरंग रौनियार, आनंद निताई दास, राजेश गुप्ता, पंचायत के पदाधिकारी के साथ इस्कॉन के पदाधिकारी और गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

संपादकीय

आयात की अर्थव्यवस्था

राष्ट्रपति ट्रंप बयान देते हैं और देशों की अर्थव्यवस्थाएं हिचकोले खाने लगती हैं। बाजार धड़ाम से गिरते हैं। तेल, गैस, उर्वरक और अन्य सामान की किल्लत बढ़ने लगती है, लिहाजा संकट भी व्यापक और विकराल होने लगते हैं। मंदी और महंगाई भी बढ़ने लगती है। अब राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के अलग-अलग ठिकानों और परमाणु केंद्रों पर लगातार 21 दिन तक हमलों की योजना का ऐलान किया है। फिलहाल औसतन 4 घंटे हररोज हमले किए जा रहे हैं। ईरान ने भी नई मिसाइल से खाड़ी देशों के अमरीकी ठिकानों पर विनाशक हमले जारी रखे हैं। अमरीका के वायु बेस, नौसेना बेड़े, रडार सिस्टम, मिसाइल-ड्रोन ठिकानों पर हमले कर ईरान ने साफ कर दिया है कि वह युद्ध के मोर्चे पर अभी तैनात है और लड़ रहा है। बहरहाल इन हमलों का पहला असर यह है कि कच्चे तेल के दाम 86 डॉलर प्रति बैरल तक उछल गए हैं। ये दाम 71 डॉलर तक लुढ़क आए थे, जब समझौते के सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए गए थे। एकबारगी लगा था कि युद्ध का अंत निकट है, लेकिन यह पहले की तरह ही विनाशक और वीभत्स हो रहा है। अब तेल-बाजार में जो शिपमेंट (लदान) बुक की जा रही है, वह 86-87 डॉलर के हिसाब से की जा रही है। बीते 15 दिनों में ही भारत के खजाने पर करीब 2 लाख करोड़ रुपए का बोझ बढ़ चुका है, क्योंकि आयात-बिल बढ़ा है। भारत को कच्चा तेल 105 डॉलर प्रति बैरल पर खरीदना पड़ रहा है। इसमें युद्ध-बीमा, परिवहन की बढ़ी दरें और ईरान का टोल-टैक्स आदि भी शामिल हैं। यदि लाल सागर की ओर हूती लड़ाकों ने 'बाब-अल-मंदेब' मार्ग को बंद कर दिया, तो 12 फीसदी वैश्विक आपूर्ति और प्रभावित होगी, नतीजतन तेल की कीमतें 200 डॉलर तक उछल सकती हैं, ऐसा विशेषज्ञों का दावा है। दरअसल अर्थशास्त्रियों के विश्लेषण हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था आयात-केंद्रित हो चुकी है। घरेलू उत्पादन से बेहतर आयात लगता है और वह अभी तक आसान भी रहा है। आयात न केवल घरेलू बाजार, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) पर, बल्कि निर्यात पर भी हावी हो चुका है। भारत का आयात 16 फीसदी बढ़ चुका है। अनुमान है कि आयात 17-18 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है, जो बीते साल में 11 लाख करोड़ रुपए रहा है। भारत खाड़ी देशों को 19 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निर्यात करता रहा है, लेकिन ईरान युद्ध और खाड़ी देशों तक आपूर्ति के व्यवधान और जोखिमों के कारण निर्यात काफी प्रभावित हो रहा है। इन परिस्थितियों में भारत का व्यापार-घाटा बढ़ रहा है। यदि कच्चा तेल 10 फीसदी भी महंगा होता है, तो चालू खाता घाटा देश के जीडीपी का 0.4 फीसदी बढ़ जाता है। सीईआईसी के मुताबिक, भारत में जहां मैन्युफैक्चरिंग की स्थिति पूर्ववत है, वहीं निर्माण-कार्यों और सेवा क्षेत्र के व्यापार और परिवहन में भारी गिरावट दर्ज की गई है। गांव के गरीबों, किसानों को शहर के निर्माण-कार्यों में रोजगार मिलता रहा है, लेकिन गिरावट के बाद उन्हें गांव की ओर लौटना पड़ रहा है। सूखे से खेती पर भी असर पड़ना तय है, लिहाजा कई फसलें इस बार कम बोई गई हैं। इस तरह ग्रामीण अर्थव्यवस्था कई तरह कुचली जाएगी। महंगाई की जो दरें उच्चतम स्तर पर पाई गई हैं, उनमें गांव में महंगाई अपेक्षाकृत बढ़ी है। बहरहाल भारत में कच्चे तेल की आमद तो संतोषजनक है, क्योंकि रूस सप्लाई कर रहा था। भारत अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका आदि देशों से तेल की 'स्पॉट खरीददारी' भी कर रहा है। संकट एलएनजी का है। करीब 60 फीसदी एलएनजी होर्मुज के रास्ते भारत तक आती थी, लेकिन बीते शनिवार, 11 जुलाई, के बाद एलएनजी की सप्लाई भारत में नहीं हुई है। हालांकि अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, नॉर्वे आदि देशों से एलपीजी (रसोई गैस) की आपूर्ति जारी है, लेकिन उसका आयात महंगा पड़ रहा है। गैस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध भी नहीं हैं, नतीजतन एलपीजी का पहले जैसा संकट भी सामने आ सकता है। अभी भारत सरकार के बयान का इंतजार है कि कितने भंडारण शेष हैं, लेकिन एलपीजी का भंडारण तो अधिकतम पौने दो दिन तक ही किया जा सकता है। बहरहाल, अमरीका और ईरान के बीच यह लड़ाई जल्द खत्म होती, नहीं लगती है। दोनों ओर से हमले पर हमले हो रहे हैं।

> तेल, गैस, उर्वरक और अन्य सामान की किल्लत बढ़ने लगती है, लिहाजा संकट भी व्यापक और विकराल होने लगते हैं। मंदी और महंगाई भी बढ़ने लगती है। अब राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के अलग-अलग ठिकानों और परमाणु केंद्रों पर लगातार 21 दिन तक हमलों की योजना का ऐलान किया है। फिलहाल औसतन 4 घंटे हररोज हमले किए जा रहे हैं। ईरान ने भी नई मिसाइल से खाड़ी देशों के अमरीकी ठिकानों पर विनाशक हमले जारी रखे हैं। अमरीका के वायु बेस, नौसेना बेड़े, रडार सिस्टम, मिसाइल-ड्रोन ठिकानों पर हमले कर ईरान ने साफ कर दिया है कि वह युद्ध के मोर्चे पर अभी तैनात है और लड़ रहा है। बहरहाल इन हमलों का पहला असर यह है कि कच्चे तेल के दाम 86 डॉलर प्रति बैरल तक उछल गए हैं। ये दाम 71 डॉलर तक लुढ़क आए थे, जब समझौते के सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए गए थे। एकबारगी लगा था कि युद्ध का अंत निकट है, लेकिन यह पहले की तरह ही विनाशक और वीभत्स हो रहा है। अब तेल-बाजार में जो शिपमेंट (लदान) बुक की जा रही है, वह 86-87 डॉलर के हिसाब से की जा रही है।

कुछ अलग

आओ, चलें जीवन की ओर

हमारा समाज बड़ा अद्भुत है। हम किताबें खरीदते हैं, उन्हें अलमारी में सजाते हैं, मेहमानों को दिखाते हैं, और फिर भूल जाते हैं कि उनमें लिखा क्या था। कुछ लोग तो इतने विद्वान होते हैं कि उन्होंने हर विषय पर पुस्तक पढ़ रखी होती है- वजन कम करने पर भी, तनाव दूर करने पर भी, खुश रहने पर भी। फर्क बस इतना होता है कि वजन बढ़ता रहता है, तनाव बढ़ता रहता है और खुशी पड़ोसी के घर में रहती है। हम किताबें पढ़ते-पढ़ते बड़े हुए हैं। बचपन में कहानियां पढ़ीं, युवावस्था में कविताएं पढ़ीं, फिर लेख, नाटक, प्रवचन, दर्शन, धर्मग्रंथ और जीवन-प्रबंधन की पुस्तकें पढ़ीं। हमने संत कबीर को पढ़ा, गोस्वामी तुलसी दास को पढ़ा, विवेकानंद को पढ़ा, गीता पढ़ी, उपनिषद पढ़े। प्रेरणा भी मिली। कई बार आंखें नम हुईं, कई बार हृदय में जोश उठा। कई बार लगा कि अब जीवन बदल गया। इस सबके बावजूद अगर हम थोड़ी देर रुककर अपने भीतर झांकें तो एक असहज प्रश्न सामने खड़ा हो जाता है, जो कुछ हमने पढ़ा, उसमें से कितना हमारे भीतर जीवित है? हम पढ़ते हैं क्योंकि पढ़ना आसान है। पुस्तक खोलना आसान है, स्वयं को खोलना कठिन है। किसी महान कवि की पंक्तियां याद कर लेना आसान है, पर उसी कविता की सुगंध को अपने जीवन में उतारना कठिन है। इसलिए मनुष्य अक्सर पढ़ने में शरण खोज लेता है। उसे लगता है कि वह बदल रहा है, जबकि वह केवल जानकारी इक_ी कर रहा होता है। हमने हजारों पृष्ठ पढ़े, पर क्या हमारे भीतर शांति आई? हमने प्रेम पर अनगिनत कविताएं पढ़ीं, पर क्या हमारे संबंध प्रेमपूर्ण हुए? हमने परिवार, त्याग, करुणा और समझदारी पर लेख पढ़े, पर क्या हमारे घरों में सुख बढ़ा? यदि ईमानदारी से देखें तो समाज का बड़ा हिस्सा अशांति, तनाव और संघर्ष से भरा हुआ दिखाई देता है।

मंदिरों में बढ़ती अव्यवस्था का दूसरा गंभीर पक्ष है-वीआईपी दर्शन संस्कृति

मंदिरों में भ्रष्टाचारः वहां सुशासन की नई क्रांति का सूत्रपात हो

भारत की पहचान केवल उसकी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दर्शन से नहीं है, बल्कि उन मंदिरों से भी है जो करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और जीवन का आधार हैं। अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं। इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कोई संस्था बदनाम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जिस धन को श्रद्धालु भगवान का अर्पण मानकर समर्पित करते हैं, वह किसी व्यक्ति या समूह की निजी संपत्ति नहीं है। उस धन का प्रत्येक रुपया सार्वजनिक विश्वास की धरोहर है। यदि उसी में अपारदर्शिता या चोरी का संदेह पैदा हो जाए, तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि धार्मिक विश्वास के साथ विश्वासघात है। मंदिरों में बढ़ती अव्यवस्था का दूसरा गंभीर पक्ष है-वीआईपी दर्शन संस्कृति। आज देश का सामान्य श्रद्धालु कई-कई घंटे कतार में खड़ा रहता है। वृद्ध, महिलाएं, दिव्यांग और छोटे बच्चों के साथ आए परिवार कठिन परिस्थितियों में अपनी बारी की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन जैसे ही कोई मंत्री, विधायक, अधिकारी या प्रभावशाली व्यक्ति पहुंचता है, सामान्य दर्शन रोक दिए जाते हैं और वीआईपी दर्शन शुरू हो जाते हैं। आम श्रद्धालु की लाइन रोक दी जाती है, उसके दर्शन का समय बाधित होता है और उसे यह एहसास कराया जाता है कि भगवान के दरबार में भी सभी बराबर नहीं हैं। यह स्थिति भारतीय संस्कृति और धर्म की मूल भावना के विपरीत है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि ईश्वर के समक्ष राजा और रंक में कोई भेद नहीं होता। यदि मंदिरों में भी सामाजिक और राजनीतिक विशेषाधिकार का प्रदर्शन होगा तो यह धर्म के मूल स्वरूप का अपमान है। मंदिरों को लोकतांत्रिक समानता और आध्यात्मिक समरसता का सर्वोच्च उदाहरण बनना चाहिए, न कि सामाजिक असमानता का मंच। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में 'समान मन्दिर दर्शन नीति' लागू की जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा या अत्यंत विशिष्ट संवैधानिक परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को सामान्य श्रद्धालुओं की कतार से अलग विशेष दर्शन का अधिकार नहीं

> अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के जीवंत प्रतीक है। इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते है कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कोई संस्था बदनाम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता।

मिलना चाहिए। यदि किसी कारणवश सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक हो, तब भी आम श्रद्धालुओं के दर्शन बाधित नहीं होने चाहिए। भगवान के दरबार में सबसे बड़ा वीआईपी केवल श्रद्धा होनी चाहिए, पद और सत्ता नहीं। इसी प्रकार मंदिरों की चढ़ावा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। आज डिजिटल भारत का युग है, फिर भी अनेक मंदिरों में दान और चढ़ावे की पारदर्शी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। प्रत्येक बड़े मंदिर में दान-पात्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, सीसीटीवी कैमरे, बारकोड आधारित सीलिंग, नियमित स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक माह आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण वेबसाइट और सूचना पट्ट पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। श्रद्धालु को यह जानने का अधिकार है कि उसके द्वारा दिया गया धन कहां और किस उद्देश्य में उपयोग किया जा रहा है। इसके साथ ही मंदिर प्रशासन में केवल धार्मिक पहचान ही नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी और प्रशासनिक दक्षता को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मंदिर प्रबंधन समितियों में ऐसे व्यक्तियों को स्थान मिले जिनकी सामाजिक प्रतिष्ठा निष्कलंक हो, जिनका सार्वजनिक जीवन पारदर्शी रहा हो और जिन पर किसी प्रकार के भ्रष्टाचार या आपराधिक आरोप न हों। समय-समय पर उनके कार्यों का स्वतंत्र मूल्यांकन भी किया जाए। मंदिर प्रबंधन किसी का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व है। मंदिरों में सेवा करने वाले पुजारियों, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के लिए भी आचार-संहिता बनाई जानी चाहिए। श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र भाषा, दलालों से मिलीभगत, नशाखोरी या किसी भी प्रकार का अनुशासनहीन व्यवहार पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई हो। सालासर बालाजी में बाउंसरों द्वारा श्रद्धालु की पिटाई और खाटू श्यामजी में मुख्य पुजारी से जुड़े विवाद जैसे प्रसंग यह संकेत देते हैं कि केवल धार्मिक पहचान पर्याप्त नहीं, बल्कि नैतिक अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है। मंदिरों में दलाल संस्कृति भी समाप्त की जानी चाहिए। दर्शन, प्रसाद, पूजा और विशेष अनुष्ठानों के नाम पर होने वाली अनधिकृत वसूली श्रद्धालुओं के विश्वास को कमजोर करती है। सभी सेवाओं की दरें सार्वजनिक हों, ऑनलाइन बुकिंग उपलब्ध हो और किसी भी अतिरिक्त वसूली पर कठोर दंड का प्रावधान हो। भारत आज विश्व का आध्यात्मिक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद दुनिया भर से करोड़ों लोग भारतीय मंदिरों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। धार्मिक पर्यटन भारत की अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण आधार बन रहा है। ऐसे समय यदि मंदिरों की व्यवस्थाओं पर भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और अव्यवस्था के आरोप लगते हैं तो केवल मंदिर ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की छवि प्रभावित होती है। विश्व यह संदेश ग्रहण करता है कि जिस देश ने धर्म और नैतिकता का संदेश दिया, वह अपने ही धर्मस्थलों को पारदर्शी नहीं बना पाया, वहां भी व्यापक भ्रष्टाचार पसरा है। भारत सरकार और राज्य सरकारों को अब इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए। 'राष्ट्रीय मंदिर सुशासन आयोग' जैसी स्वतंत्र संस्था का गठन किया जा सकता है, जो बड़े मंदिरों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही, दर्शन व्यवस्था और श्रद्धालुओं के अधिकारों की निगरानी करे। प्रत्येक मंदिर के लिए सेवा-मानक निर्धारित हों तथा शिकायत निवारण की समयबद्ध व्यवस्था हो। धार्मिक संगठनों और संत समाज को भी आत्ममंथन करना होगा। धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि सत्य, ईमानदारी, सेवा और उत्तरदायित्व है। यदि मंदिरों के भीतर ही इन मूल्यों का ह्रास होगा तो समाज को नैतिक दिशा कौन देगा? मंदिर केवल पूजा के केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण के विद्यालय भी होने चाहिए। आज आवश्यकता किसी छोटे-मोटे सुधार की नहीं, बल्कि मंदिर प्रशासन में एक नैतिक क्रांति की है। यह क्रांति पारदर्शिता, जवाबदेही, समानता और सेवा के चार स्तंभों पर आधारित होनी चाहिए। मंदिरों को तकनीक से जोड़ना होगा, वित्तीय व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और ऑडिट-आधारित बनाना होगा, वीआईपी संस्कृति को समाप्त करना होगा तथा हर श्रद्धालु को समान सम्मान देना होगा। याद रखना होगा कि मंदिरों की सबसे बड़ी संपत्ति उनका स्वर्ण, रजत या चढ़ावा नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों का विश्वास है। यदि विश्वास टूट गया तो सबसे भव्य मंदिर भी अपनी आत्मा खो देगा। इसलिए समय की पुकार है कि मंदिरों को भ्रष्टाचार से मुक्त, दर्शन व्यवस्था को समान, प्रशासन को पारदर्शी और सेवा को मानवीय बनाया जाए। यही भगवान के प्रति सच्ची श्रद्धा होगी, यही भारतीय संस्कृति का वास्तविक सम्मान होगा और यही वह परिवर्तन होगा जो भारत को केवल आध्यात्मिक महाशक्ति ही नहीं, बल्कि नैतिक महाशक्ति के रूप में भी स्थापित करेगा।

देश दुनीया से

चीनी मठ-मंदिरों पर भी हेराफेरी की कालिख

ब्रूस ली की फ़िल्म 'एंटर द ड्रैगन' में शाओलिन मंदिर के शुरुआती दृश्यों की शूटिंग चीन में नहीं, बल्कि हांगकांग के थुएन मुन स्थित चिंग चुंग कून और कैसल पीक मठ में हुई थी। लेकिन, तब शाओलिन टैम्पल का अक्स दिलो-दिमाग़ में बैठा हुआ था। उसे देखना एक सपना था, जो 2019 में पेइचिंग कुछ हफ्ते ठहरने पर साकार हुआ। पेइचिंग से शाओलिन मंदिर की दूरी लगभग 773 किलोमीटर है। झेंगझोऊ तक बुलेट ट्रेन, फिर मंदिर तक जाने के लिए टैक्सी की जरूरत पड़ गई। इस जगह को 'मार्शल आर्ट का मक्का' मानिये। शाओलिन मंदिर चीन के हेनान प्रांत स्थित प्रसिद्ध बौद्ध मठ है। इसे 495 ईस्वी में बनाया गया था। यह ज़ेन बौद्ध धर्म का जन्मस्थान और मार्शल आर्ट (कुंग फू) का उद्गम स्थल है। सात साल पहले शाओलिन टैम्पल की दरो-दीवार को देखकर लगा नहीं था, कि यह भ्रष्टाचार का भी अड्डा रहा है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, डेढ़ महीना पहले दुनियाभर में मशहूर शाओलिन मंदिर के पूर्व प्रमुख शी योंगशिन को गबन और रिश्वत लेने जैसे अपराधों के लिए 24 साल जेल की सज़ा सुनाई गई है। शी पर 35 लाख युआन का जुर्माना भी लगाया गया। चीन के मध्य हेनान प्रांत की शिनक्सियांग इंटरमीडिएट पीपल्स कोर्ट ने पाया कि शी (जिनका असली नाम लियू यिंगचेंग है) ने 2003 और 2025 के बीच 131 मिलियन युआन से ज़्यादा का गबन किया था। कई दशकों तक, शी ने शाओलिन मंदिर के प्रमुख और शाओलिन चैरिटी एंड वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष के तौर पर काम किया। जांच में पाया गया कि उन्होंने 2012 और 2022 के बीच 151 मिलियन युआन अपने निजी इस्तेमाल के लिए लिए थे, और 2006 से मंदिर के निर्माण और उससे जुड़े कामकाज के कॉन्ट्रैक्ट दिलाने में मदद करने के बदले कुल 11.63 मिलियन युआन की रिश्वत ली थी। कोर्ट की घोषणा के अनुसार, शी पर 1995 और 2022 के बीच 'गलत फ़ायदे' पाने के लिए अधिकारियों को 5.67 मिलियन युआन से ज़्यादा की रिश्वत देने का भी आरोप है। चीन के मशहूर बौद्ध मठ

शाओलिन मंदिर के प्रमुख के ख़िलाफ़ आपराधिक जांच में कहा गया है कि उनके कामों में गबन, फ़ंड का गलत इस्तेमाल, रिश्वत लेना और देना जैसे संगीन अपराध शामिल थे, और इन सभी में 'बहुत बड़ी रकम' शामिल थी। शी पर आरोप था कि उन्होंने 'कई महिलाओं के साथ लंबे समय तक गलत संबंध बनाए, और नाजायज़ बच्चों के पिता बने।' पिछले साल जुलाई में सरकार की संयुक्त जांच के बाद उन्हें वाइस-चेयरपर्सन पद से हटा दिया गया था। उसी महीने, चीन के बौद्ध संघ ने शी योंगशिन की बौद्ध मान्यता रद्द कर दी, और उन पर 'बौद्ध समुदाय की प्रतिष्ठा और भिक्षुओं की छवि को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाने' का आरोप लगाया। उनसे जुड़ी कंपनियों का रजिस्ट्रेशन भी रद्द कर दिया गया। जांच के बाद, स्थानीय अधिकारियों ने नवंबर, 2025 में कई आपराधिक आरोपों में उनकी गिरफ़्तारी को मंजूरी देने की घोषणा की। शी ने अपना अपराध माना, और पछतावा व्यक्त किया। 29 मई, 2026 को कोर्ट ने यह भी जानकारी दी, कि शी ने कोई अपील नहीं की। चीन में 1960 और 1970 के दशक की सांस्कृतिक क्रांति में अनगिनत धार्मिक जगहें तबाह हो गईं। मठों से उनकी संपत्ति छीन ली गई थी। लेकिन, जैसे ही 1980 के दशक में चीन में आर्थिक सुधार और खुलेपन का दौर शुरू हुआ, मंदिर फिर से चलन में आ गए. कई लोग अपना गुजारा करने के लिए टैम्पल टूरिज़्म की तरफ़ मुड़ गए। हालांकि, चीनी सरकार धार्मिक मान्यताओं की आज़ादी का समर्थन करती है, और 1.3 अरब से ज़्यादा लोगों को अपनी धार्मिक मान्यताएं चुनने का अधिकार है। खासकर आधुनिक चीनी समाज में राजनीतिक दमन खत्म होने के बाद, लंबे समय से दबी हुई धार्मिक मान्यताएं सामने आईं। 'वर्ल्ड वैल्यूज़ सर्वे-2007' से पता चलता है कि 11 प्रतिशत चीनी लोगों की धार्मिक मान्यताएं हैं। 2003 से 2010 के बीच इनकी आबादी 120 फीसद बढ़ी है। इस समय में जिन बड़े मठाधीशों को निजी रूप से फ़ायदा हुआ, उनमें शी सबसे बड़े थे। शी योंगशिन 1981 में 16 साल की उम्र में हेनान प्रांत के शाओलिन मंदिर में शामिल हुए थे। उस समय, मंदिर खंडहर बन चुका था। लेकिन, जैसे-जैसे शी मठाधीश के पद पर पहुंचे, उन्होंने प्रार्थना हॉल फिर से खोलने और टूरिस्ट को टिकट बेचने के लिए लोकल अधिकारियों से बातचीत की। जल्द ही, लाखों लोग आने लगे, जिसमें लोकल सरकार 70 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। तब शाओलिन-ब्रांडेड सामान बेचने वाली गिफ़्ट शॉप भी खुल गईं, और शाओलिन इंक का जन्म हुआ। वर्ष 2006 में, डेंगफ़ेंग शहर की सरकार ने शाओलिन मंदिर के लिए 100,000 डॉलर का निवेश किया। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने 2015 में बताया था शी को 'सीईओ भिक्षु' के तौर पर जाना जाता था; कुंग-फू शो और सामान को बढ़ावा देने के लिए कमर्शियल गतिविधियां शुरू करने की वजह से उनकी आलोचना भी हुई थी। सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 2002 में शी को बुद्धिस्ट एसोसिएशन ऑफ़ चाइना का वाइस-चेयरपर्सन चुना गया था। गिरफ़्तार होने से पहले, शी योंगक्सिन ने विदेशों में दर्जनों कंपनियां बनाईं, और ऑस्ट्रेलिया में 300 मिलियन डॉलर के लक्ज़री होटल और गोल्फ़ कोर्स कॉम्प्लेक्स के लिए फ़ंड जुटाने की कोशिश की।

आप का नजरीया

पानी की अस्मिता पर हिमाचल

सोच समझ के दायरे पहले भी हिमाचल में सुदृढ़ थे, लेकिन अब सुक्खू सरकार ने पानी को महज पानी न मानते हुए, इसकी हर बूंद में हीरे-ज्वाहरात देखे हैं। यही वजह है कि न केवल किशाऊ बांध समझौते के बाद मुख्यमंत्री ने लाभ तक सीमित रहना सीखा और न ही पानी की अस्मिता को परवान चढ़ाने का अपना मकसद छोड़ा। किशाऊ बांध पहले ही कमाऊ बांध बन चुका है और अब इसे प्याऊ बांध बनाने का नवाचार हिमाचल ने शुरू किया है। यह आर्थिक हितों को हासिल करने का नवाचार है। कहना न होगा कि पहले किसी मुख्यमंत्री ने इस स्तर तक आर्थिक अधिकारों का मोल तोल नहीं किया, बल्कि यह उचित समय है कि हम पंजाब पुनर्गठन की सियासी फाइल को स्वर्गीय वाईएस परमार के दौर से खोलें। हम पहले भी कह चुके हैं कि पंजाब पुनर्गठन से हिमाचल के लिए महज एक जमीन का टुकड़ा हासिल करके सारी शक्ति, हितों की पैरवी और न्याय की कसौटी छोड़ दी। तब की गंदी राजनीति ऊपरी और निचले हिमाचल की शिनाख्त करती रही या सारी सौदेबाजी, कर्मचारी व सेब लॉबी तक सिमट गई। न केवल परमार, बल्कि शांता कुमार भी कुछ हद तक लपेटे में आए। खैर सुक्खू सरकार ने एक सोची समझी रणनीति के तहत कदम उठाते हुए पहले किशाऊ को कमाऊ बना कर वार्षिक आय में 600 करोड़ की राशि डाली और अब इसे प्याऊ मानकर वर्षों की प्यास यानी पंजाब पुनर्गठन की इबारत खोल दी है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से उनकी मुलाकातें और अब वकालत का तर्क यह कि किशाऊ बांध का महत्त्व अगर कायम करना है, तो इसकी नींव के पत्थर पंजाब पुनर्गठन में हिमाचल की भागीदारी और लेनदारी सुनिश्चित करके ही लगेंगे। मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने एक हाथ दे, दूसरे हाथ ले की नीति के तहत प्रदेश का कद व सम्मान बढ़ाया है, वरना हमारे पड़ोसी राज्य बराबरी की न बात करते या हिमाचली अधिकारों की नाफरमानी पर उतर आते हैं। कई पक्षीय वार्ताओं का रुख मोड़ते हिमाचल ने हरियाणा के दर्द को बांटने का जिम्मा उठाते हुए, एक बड़ा दांव खेला है। इससे पूर्व सिंधु घाटी जल संधि की समाप्ति से हिमाचल के राष्ट्रीय तर्क मजबूत हुए हैं। हम पानी में समाधि या जल कब्रें बना कर खामोश क्यों रहें। ये तमाम बांध हमारे अधिकारों की कब्रें साबित न हों, इसलिए सुक्खू सरकार ने एक पलड़े पर किशाऊ बांध और दूसरे पर पंजाब पुनर्गठन के अधिकार रखे हैं, ताकि इंसाफ का तकाजा कायम रहे। बीबीएमबी हमारी छाती पर लगातार मूंग नहीं दल सकता, इसलिए सुप्रीम फैसलों की दुहाई से निकले 7.19 प्रतिशत के हिसाब से लंबित 13.066 मिलियन विद्युत यूनिट का भुगतान या 4200 करोड़ की राशि तुरंत हिमाचल को मिले। यह आर्थिक अधिकारों की इंचें हैं जो किशाऊ बांध की शर्तों में मापी जा रही हैं। एक बार हरियाणा, पंजाब पुनर्गठन में हिमाचल का पक्ष अंगीकार करे तो तमाम जल वितरण के घाव धुलेंगे। राष्ट्रीय हित की किशाऊ बांध परियोजना के गले में घंटी बांध कर हिमाचल ने अपने आर्थिक हितों का अलार्म बजा दिया है, अब पंजाब को भी शानन विद्युत परियोजना पर अवैध कब्जा छोड़ना ही होगा। यही नहीं राष्ट्रीय संसाधनों और जल विद्युत परियोजनाओं की साझेदारी में हिमाचल को चालीस साल से उत्पादन कर रहे केंद्रीय विद्युत प्रोजेक्टों से 50 प्रतिशत का हिस्सा न्यायिक आधार पर अगर मिलता है, तो हिमाचल का संघर्ष पूरा होगा। यह आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की कसौटी है, जिसे सुक्खू सरकार दृढ़ प्रतिज्ञ होकर पूरा करने की रणनीति पर चल रही है।

> किशाऊ बांध पहले ही कमाऊ बांध बन चुका है और अब इसे प्याऊ बांध बनाने का नवाचार हिमाचल ने शुरू किया है। यह आर्थिक हितों को हासिल करने का नवाचार है। कहना न होगा कि पहले किसी मुख्यमंत्री ने इस स्तर तक आर्थिक अधिकारों का मोल तोल नहीं किया, बल्कि यह उचित समय है कि हम पंजाब पुनर्गठन की सियासी फाइल को स्वर्गीय वाईएस परमार के दौर से खोलें। हम पहले भी कह चुके हैं कि पंजाब पुनर्गठन से हिमाचल के लिए महज एक जमीन का टुकड़ा हासिल करके सारी शक्ति, हितों की पैरवी और न्याय की कसौटी छोड़ दी। तब की गंदी राजनीति ऊपरी और निचले हिमाचल की शिनाख्त करती रही या सारी सौदेबाजी, कर्मचारी व सेब लॉबी तक सिमट गई। न केवल परमार, बल्कि शांता कुमार भी कुछ हद तक लपेटे में आए। खैर सुक्खू सरकार ने एक सोची समझी रणनीति के तहत कदम उठाते हुए पहले किशाऊ को कमाऊ बना कर वार्षिक आय में 600 करोड़ की राशि डाली और अब इसे प्याऊ मानकर वर्षों की प्यास यानी पंजाब पुनर्गठन की इबारत खोल दी है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से उनकी मुलाकातें और अब वकालत का तर्क यह कि किशाऊ बांध का महत्त्व अगर कायम करना है, तो इसकी नींव के पत्थर पंजाब पुनर्गठन में हिमाचल की भागीदारी और लेनदारी सुनिश्चित करके ही लगेंगे।

दृष्टि कोण

दुनिया के लिए सबक यूरोप की असामान्य गर्मी

ग्लोबल वार्मिंग ने दुनियाभर में कहर ढाना शुरू कर दिया है। इसके कारण जलवायु परिवर्तन की समस्या और गंभीर हो गई है। अब तापमान वैश्विक औसत की तुलना में दोगुनी गति से बढ़ रहा है। इसके चलते लंबे समय तक चलने वाली हीटवेव की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। यूरोप की भीषण गर्मी इस बात की चेतावनी है। यूरोप की इस गर्मी को 'हीट डोम' कहें, 'हीटवेव' कहें या फिर उसे 'ओमेगा हीटवेव' की संज्ञा दी जाए, हकीकत यह है कि यूरोप भीषण गर्मी के साये में झुलस रहा है। यूरोप के कई देश 1970 के दशक की तुलना में दो महीने अधिक 'हीट स्ट्रेस' का भीषण असर झेल रहे हैं। इसके लिए ग्लोबल वार्मिंग और जीवाश्म ईंधन जिम्मेदार हैं। मौसम विभाग के अनुसार यूरोप महाद्वीप के कई हिस्सों में हीट डोम बना हुआ है, जिससे भीषण गर्मी पड़ रही है। सूरज की गर्मी हर दिन इसमें वृद्धि करती है। नतीजतन, बारिश और ठंडी हवाएं भी राहत नहीं दे पातीं। हीट डोम बहुत ही धीमी गति से आगे बढ़ते हैं। इससे लोग लंबे समय तक गर्मी झेलने को मजबूर होते हैं। इस समय फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और इटली की सरकारों ने रेड अलर्ट जारी किया हुआ है। पूरे स्पेन में गर्मी का अलर्ट है। बेल्जियम और नीदरलैंड में भीषण गर्मी के चलते अभी तक 3700 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। स्थानीय अधिकारियों की मानें तो आने वाले दिनों में इसमें और बढ़ोतरी हो सकती है। फ्रांस के अधिकांश हिस्सों में हाई अलर्ट है। वहां के 54 विभागों में रेड अलर्ट है। यहां 1947 के बाद इस बार भीषण गर्मी देखी गई है। हालात इतने खराब हैं कि गर्मी से राहत पाने की कोशिश में वहां जलाशयों व नदियों में गए तकरीबन 40 से ज्यादा लोगों की डूबने से मौत हो चुकी है। एफिल टावर के पास ट्रोकाडेरो फाउंटेन में गर्मी से राहत पाने के लिए लोग कूदते देखे गए हैं। यही नहीं, वहां घरों में रहने वाले 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की मौतों की तादाद सबसे ज्यादा, यानी 91 फीसदी है। बेल्जियम और नीदरलैंड में भी सबसे ज्यादा 85 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की मौतें हुई हैं। यह हालात की भयावहता का जीता-जागता सबूत है। इन हालातों ने

स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों को बढ़ा दिया है। परिवहन सुविधाओं पर भी काफी दबाव पड़ा है। लोग मानने लगे हैं कि अब ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को गंभीरता से लेने का समय आ गया है। विशेषज्ञों के अनुसार यूरोप में गर्मी के रिकॉर्ड टूट सकते हैं। वैज्ञानिक इसे 'ओमेगा ब्लॉक' नामक दुर्लभ मौसमी पैटर्न की संज्ञा दे रहे हैं। उनके अनुसार ओमेगा ब्लॉक के चलते यूरोप के कई देशों में तापमान रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है। इससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। स्कूल बंद करने पड़े हैं। बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है और पोल्ट्री फार्मों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार इस असामान्य गर्मी के पीछे 'ओमेगा ब्लॉक' नामक मौसमी पैटर्न है, जिसमें उच्च दबाव का क्षेत्र ग्रीक अक्षर 'ओमेगा' के आकार का बन जाता है। यह गर्म हवा को लंबे समय तक एक ही इलाके में रोककर रखता है, जिससे अमूमन तापमान सामान्य से 18 डिग्री सेल्सियस तक अधिक हो सकता है। फ्रांस के दक्षिण-पश्चिमी शहर पिसोस में तापमान 44.3 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। उत्तर-पश्चिमी शहर ब्रिटनी में बिजली आपूर्ति ठप रही है। वहीं, परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को भी उत्पादन में सात फीसदी की कटौती करने को बाध्य होना पड़ा है। इसका कारण शीतलन के लिए वहां पर्याप्त पानी का अभाव था। इससे बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ है और स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी दबाव पड़ा है। वहीं, इटली में सोलह शहरों में उच्च स्तर का हाई अलर्ट जारी करना पड़ा है। ब्रिटेन में बढ़ते तापमान के कारण स्कूलों को बंद करना पड़ा।

प्रधानमंत्री का 18वां हरियाणा दौरा : 12,470 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं की मिलेगी सौगात

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन से हरित परिवहन का आज से आगाज

चंडीगढ़ (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को हरियाणा में 17वें दौरे पर आ रहे हैं। मोदी के इस दौरे से हरियाणा के दस जिलों को विकास परियोजनाओं की सौगात मिलेगी। प्रधानमंत्री 12,470 करोड़ से अधिक की राष्ट्रीय राजमार्ग, स्वास्थ्य, रेलवे और सांस्कृतिक परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन से लेकर आधुनिक रेलवे स्टेशन, मेडिकल कॉलेज, एलिवेटेड रेलवे ट्रैक, एक्सप्रेसवे और सिख विरासत केंद्र तक कई महत्वाकांक्षी परियोजनाएं इस दौरे को खास बना रही हैं। राजनीतिक दृष्टि से भी इस कार्यक्रम को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जिन परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास होगा, उनका सीधा असर सोनीपत, अंबाला, कुरुक्षेत्र, हिसार, सिरसा और भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्रों तक पहुंचेगा। वहीं जींद, सोनीपत, अंबाला, झज्जर, पंचकूला, कुरुक्षेत्र, हिसार, हांसी, भिवानी और महेंद्रगढ़ जिले सीधे जुड़ेंगे। प्रधानमंत्री अमृत भारत स्टेशन

योजना के तहत तैयार 11 आधुनिक रेलवे स्टेशनों को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इनमें हरियाणा के नरवाना और कालका, पंजाब के साहिबजादा अजीत सिंह नगर (मोहाली) और आनंदपुर साहिब तथा हिमाचल प्रदेश के अंब अंदौरा स्टेशन शामिल हैं। आधुनिक प्रतीक्षालय, लिफ्ट, रैंप, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, पार्किंग और उन्नत यात्री सुविधाओं से लैस ये स्टेशन यात्रियों को नया अनुभव देंगे। इसी कड़ी में करीब 447 करोड़ रुपए की लागत से तैयार कुरुक्षेत्र एलिवेटेड रेलवे ट्रैक भी राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। 5.9 किलोमीटर लंबे इस ट्रैक से शहर के पांच बड़े रेलवे फाटकों पर लगने वाले जाम से स्थायी राहत मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री जींद से वर्चुअल माध्यम से नारनौल के महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज और भिवानी मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन करेंगे। सड़क क्षेत्र में काला अंब ग्रीन फील्ड फोरलेन कॉरिडोर, दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे, जींद-गोहाना राष्ट्रीय राजमार्ग, हांसी-बरवाला फोरलेन परियोजना तथा बीकानेर-सिवानी-सोनीपत सड़क परियोजना को नई गति मिलेगी। इन परियोजनाओं से औद्योगिक गतिविधियां बढ़ने, यात्रा समय घटने और माल परिवहन आसान होने की उम्मीद है। कुरुक्षेत्र के उमरी गांव में करीब 124 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले प्रदेश के पहले सिख संग्रहालय एवं विरासत केंद्र की आधारशिला भी प्रधानमंत्री रखेंगे। सिख गुरुओं के हरियाणा से जुड़े ऐतिहासिक संबंधों को आधुनिक स्वरूप में प्रस्तुत करने वाली यह परियोजना धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन के लिए नया आकर्षण बनेगी।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने निकाली रैली

जोधपुर (हिंस)। अखिल राजस्थान महिला एवं बाल विकास संयुक्त कर्मचारी संघ के आह्वान पर गुरवार को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर नई सड़क चौराहा के पास स्थित राजीव गांधी सर्कल से कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली और प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने राजस्थान सरकार से राज्य कर्मचारी का दर्जा, मानदेय में बढ़ोतरी, पेंशन और अन्य सरकारी कर्मचारियों के समान सेवा सुविधाएं देने की मांग की। आंगनबाड़ी कर्मचारियों ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वे पोषण अभियान, गर्भवती महिलाओं की देखभाल, बच्चों के स्वास्थ्य, टीकाकरण, कुपोषण उन्मूलन और प्री-स्कूल शिक्षा जैसे कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाती हैं। इसके अतिरिक्त, वे सर्वे, जनगणना, चुनाव और पल्स पोलियो अभियान सहित विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों में भी योगदान देती हैं।

बेटों की याद में महिला ने काशी विश्वनाथ मंदिर को दिया तीन करोड़ का दान

वाराणसी (हिंस)। अपने पति और दोनों बेटों को खोने के बाद सांसारिक जीवन से विरक्त हुई तमिलनाडु की 80 वर्षीय एक महिला ने धार्मिक एवं जनकल्याण कार्यों के लिए श्री काशी विश्वनाथ मंदिर को तीन करोड़ रुपए का गुप्त दान दिया है। महिला की इच्छा का सम्मान करते हुए मंदिर प्रशासन ने उनकी पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी है। मंदिर प्रशासन के अनुसार महिला ने अपने दिवंगत दोनों पुत्रों की स्मृति में दो करोड़ रुपए तथा मंदिर के अन्नक्षेत्र के लिए एक करोड़ रुपए का चेक मंदिर न्यास को सौंपा। इसे अब तक मंदिर को मिला सबसे बड़ा व्यक्तिगत दान माना जा रहा है। इससे पहले अंबानी परिवार ने मंदिर को ढाई करोड़ रुपए का दान दिया था। महिला ने वाराणसी मंडल के आयुक्त एस. राजलिंगम को ई-मेल के माध्यम से मंदिर में दान देने की इच्छा व्यक्त की थी और उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलने का अनुरोध किया था। इसके बाद अधिकारियों ने उनसे संपर्क स्थापित किया। महिला ने शुरुआत से ही अपनी पहचान गोपनीय रखने का आग्रह किया था। महिला अपने मैनेजर के साथ 12 जुलाई को मंडलायुक्त से मिलीं और तीन करोड़ रुपए के दो चेक उन्हें सौंपे। इसके अतिरिक्त उन्होंने 25-25 हजार रुपए के पांच अलग-अलग चेक भी दिए तथा इच्छा जताई कि इनकी राशि से प्रत्येक वर्ष श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक कराया जाए। दान की औपचारिकता पूरी करने के बाद महिला ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत दर्शन-पूजन किया और बिना किसी प्रचार-प्रसार के वाराणसी से लौट गईं। मंदिर न्यास के अनुसार पिछले दो वर्षों में केवल अन्नक्षेत्र के लिए ही लगभग दो करोड़ रुपए का दान प्राप्त हुआ है। वर्ष 2026 में 50 हजार रुपए से अधिक दान देने वाले 16 श्रद्धालुओं ने अन्नक्षेत्र के लिए कुल 1.14 करोड़ रुपए का योगदान दिया है। काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर के निर्माण से पहले मंदिर को प्रतिवर्ष लगभग 20 करोड़ रुपए का दान मिलता था, जो अब बढ़कर करीब 84 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। वर्ष 2022 में दक्षिण भारत के एक श्रद्धालु ने मंदिर को 60 किलोग्राम सोना भी दान किया था।

रेवाड़ी में खाद्य आपूर्ति विभाग ने सस्पेंड किए तीन राशन डिपो

रेवाड़ी (हिंस)। जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में लापरवाही सामने आने के बाद जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन राशन डिपो की सप्लाई तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि गरीबों के राशन की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक नितेश सिंगला ने गुरुवार को बताया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर वार्ड नंबर-25, नई आबादी और छिपटवाड़ा क्षेत्र के राशन डिपो की सप्लाई अगले आदेश तक निलंबित कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में किसी भी तरह की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जानकारी के अनुसार, राशन डिपो संचालकों पर बरसात में भीगे हुए गेहूं और चीनी को सुखाकर गरीब परिवारों में वितरित करने की तैयारी का आरोप है। मामला तब सामने आया जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें डिपो पर रखा भीगा हुआ राशन दिखाई दिया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि खराब हो चुके अनाज को दोबारा सुखाकर बीपीएल परिवारों को देने की तैयारी की जा रही थी। लोगों ने राशन से दुर्गंध आने की शिकायत भी की। शिकायत के बाद जिला खाद्य

एवं आपूर्ति विभाग ने दो सदस्यीय जांच कमेटी गठित की। जांच में सामने आया कि नई आबादी स्थित एक डिपो का राशन अंबेडकर चौपाल में रखा गया था। पिछले सप्ताह हुई भारी बारिश के दौरान छत से पानी टपकने से वहां रखे 45 कट्टे गेहूं और 20 कट्टे चीनी भीग गए, जिससे अनाज में सड़न आ गई। आरोप है कि खराब राशन को नष्ट करने के बजाय सुखाकर स्टॉक में मिलाने की कोशिश की गई। वीडियो सामने आने के बाद विभाग ने जांच कर कार्रवाई की और संबंधित तीनों डिपो की सप्लाई निलंबित कर दी। अधिकारियों ने कहा कि पूरे मामले की निगरानी की जा रही है और दोषियों पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई भी की जाएगी।

अखिलेश यादव के सभी एजेंडे चुनावी होते हैं : केशव प्रसाद मौर्य

वाराणसी (हिंस)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य गुरुवार को वाराणसी दौरे पर हैं। उन्होंने वाराणसी में दुर्गाकुंड स्थित बनकटी हनुमान मंदिर में दिव्य दर्शन किए और पूजन आरती कर कुछ देर मंदिर में बैठकर साधना किया। इस मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि अखिलेश यादव रामद्रोही हैंए शिवद्रोही हैं। उनके सभी एजेंडें चुनावी होते हैं। जनता सब समझ रही है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद ने कहा कि संकटमोचन प्रभु श्री हनुमान जी के श्रीचरणों में समस्त प्रदेशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की प्रार्थना करता हूं। मैं वर्तमान समय में बदला हुआ काशी देख रहा हूं। कांग्रेस, सपा, बसपा की सरकारों में जो काशी दिखती थी और अब जो भाजपा की सरकार में काशी दिख रही है, पूरी तरह से बदल चुकी हैं। पत्रकारों से मुखातिब उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को भी आड़े हाथों लिया।

प्रधानमंत्री मोदी 17 जुलाई को जालंधर से संत रविदास एक्सप्रेस को दिखाएंगे हरी झंडी

चंडीगढ़ (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन से संत रविदास एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। अमृतसर और वाराणसी के बीच चलने वाली यह पहली सीधी वातानुकूलित ट्रेन होगी। रविदासिया समुदाय लंबे समय से इस रेल सेवा की मांग कर रहा था। प्रधानमंत्री दोपहर 3.40 बजे जालंधर कैंट से उद्घाटन ट्रेन को रवाना करेंगे। यह रेल सेवा गुरु रविदास जी की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी जाने वाले पंजाब के श्रद्धालुओं के लिए विशेष रूप से सुविधाजनक होगी। प्रधानमंत्री ने कुछ महीने पहले डेरा सचखंड बल्लां के प्रमुख संत निरंजन दास से भी मुलाकात की थी। संत रविदास एक्सप्रेस में कुल 18 कोच होंगे। इनमें दो एसी थ्री-टियर, एक एसी टू-टियर, छह द्वितीय श्रेणी सामान्य, सात थ्री-टियर स्लीपर और दिव्यांग यात्रियों के लिए एक विशेष कोच शामिल होगा। ट्रेन में आरामदायक बर्थ, बायो-वैक्यूम शौचालय, सीसीटीवी निगरानी और आधुनिक सुरक्षा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह ट्रेन अमृतसर के

छेहरटा से वाराणसी के बीच बुधवार, शुक्रवार और रविवार को चलेगी तथा अगले दिन वापसी करेगी। करीब 1,048 किलोमीटर की यात्रा के दौरान ट्रेन अमृतसर, जालंधर, लुधियाना, अंबाला कैंट, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, लखनऊ, सुल्तानपुर, जौनपुर सिटी और वाराणसी सहित 12 स्टेशनों पर रुकेगी। हर वर्ष पंजाब सहित देशभर से लाखों श्रद्धालु गुरु रविदास जी की जयंती के अवसर पर सीर गोवर्धनपुर पहुंचते हैं। पंजाब के दोआबा क्षेत्र से बड़ी संख्या में रविदासिया समुदाय के श्रद्धालु वाराणसी जाते हैं। गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व के दौरान अगले वर्ष श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने की संभावना है। श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए विशेष टेंट सिटी बनाने की भी योजना है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, अभी जम्मू तवी से वाराणसी और उससे आगे के लिए तीन से चार ट्रेनें चलती हैं। फिरोजपुर से बिहार जाने वाली कुछ ट्रेनें भी वाराणसी होकर गुजरती हैं। इसके अलावा अमृतसर से असम, कोलकाता और टाटानगर सहित विभिन्न स्थानों के लिए चलने वाली पांच ट्रेनों का वाराणसी में ठहराव है, लेकिन अब तक अमृतसर से वाराणसी तक कोई सीधी ट्रेन उपलब्ध नहीं थी। डेरा सचखंड बल्लां के पूर्व महासचिव सतपाल विरदी ने नई ट्रेन सेवा पर खुशी जताते हुए कहा कि इससे गुरु रविदास जयंती के दौरान श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की संख्या मौजूदा ट्रेनों की क्षमता से कहीं अधिक होती है। डेरा समय-समय पर विशेष बेगमपुरा एक्सप्रेस का खर्च स्वयं वहन करता रहा है, जिस पर करीब 20 से 40 लाख रुपए खर्च होते हैं और वह ट्रेन वातानुकूलित नहीं होती।

सांसद मंजू शर्मा के नेतृत्व में मोक्षधामों और पार्कों में लगाए जाएंगे 1.11 लाख पौधे

जयपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से शुरू हुए *एक पेड़ मां के नाम* अभियान को जयपुर में व्यापक जनभागीदारी से जोड़ा गया है। जयपुर शहर की सांसद मंजू शर्मा के नेतृत्व में भाजपा के संस्थापक सदस्य स्वर्गीय भंवर लाल शर्मा की स्मृति में संचालित भंवर लाल शर्मा स्मृति संस्थान की ओर से शहर के मोक्षधामों और पार्कों में 1 लाख 11 हजार 111 पौधे लगाए जाएंगे। इस अभियान का शुभारंभ चांदपोल मोक्षधाम में आज सांसद मंजू शर्मा ने पौधारोपण करके किया। उनके साथ स्मृति संस्थान के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। सांसद मंजू शर्मा ने इस अवसर पर घोषणा की कि जयपुर के सभी मोक्षधामों में चरणबद्ध तरीके से पौधारोपण किया जाएगा। इसके साथ ही मोक्षधामों के पुनरुद्धार, हरित विकास, सौंदर्यीकरण और नवीनीकरण के कार्य भी शीघ्र शुरू किए जाएंगे, ताकि ये स्थल श्रद्धा, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के आदर्श केंद्र बन सकें। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। उनके अनुसार वृक्षारोपण ईश्वरीय कार्य है। यह सृष्टि की सेवा, मानवता की उपासना और पर्यावरण संरक्षण का सबसे प्रभावी माध्यम है। सांसद ने बताया कि अभियान को केवल एक संस्थान तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि इसे जन-आंदोलन का स्वरूप दिया जाएगा। इसके लिए भंवर लाल शर्मा स्मृति संस्थान के साथ-साथ जयपुर में कार्यरत विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और स्वयंसेवी संस्थाओं को भी अभियान से जोड़ा जाएगा। सांसद कार्यालय की ओर से इन संस्थाओं को पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में पौधारोपण कर इस अभियान को सफल बना सकें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया *एक पेड़ मां के नाम* अभियान आज पूरे देश में जनभागीदारी का प्रतीक बन चुका है। यह केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रकृति संरक्षण, पर्यावरण संवर्द्धन और स्वच्छ भारत के संकल्प को साकार करने का माध्यम है। सांसद मंजू शर्मा ने जयपुरवासियों से अपील की कि वे अपनी मां के नाम एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल का संकल्प लें। उनका कहना था कि पौधा लगाना जितना महत्वपूर्ण है, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण उसका संरक्षण है। यदि समाज इस जिम्मेदारी को अपनाएगा तो जयपुर आने वाले वर्षों में हरित और पर्यावरणीय दृष्टि से अधिक समृद्ध शहर बन सकेगा।

जेई को ड्रग केस में फंसाने की साजिश डीएसपी गुरसेवक सिंह पर एफआईआर

फाजिल्का (हिंस)। पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) के एक जूनियर इंजीनियर को कथित रूप से झूठे नशा तस्करी मामले में फंसाने की साजिश के आरोप में जलालाबाद के डीएसपी गुरसेवक सिंह को एफआईआर में नामजद किया गया है। डीएसपी फिलहाल पुलिस के संपर्क में नहीं बताए जा रहे हैं। फाजिल्का के एसएसपी गगन अजीत सिंह ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि जांच के दौरान सामने आया कि डीएसपी कथित तौर पर उन आरोपियों के साथ मिला हुआ था, जिन्होंने जेई को एनडीपीएस एक्ट के झूठे मामले में फंसाने का प्रयास किया था। एफआईआर के अनुसार मंडी रोरांवाली निवासी अमित कुमार पीएसपीसीएल के अरनीवाला कार्यालय में जूनियर इंजीनियर के पद पर तैनात हैं। अमित कुमार ने शिकायत में बताया कि तीन जून को वह घर से कार्यालय जा रहे थे। रास्ते में पानी लेने के लिए उन्होंने अपनी कार रोकी थी। इसी दौरान तीन पुलिसकर्मी वहां पहुंचे और उनकी कार की तलाशी लेने लगे। पुलिसकर्मियों ने कार से सफेद पदार्थ वाला एक पैकेट बरामद होने का दावा किया, लेकिन अमित कुमार ने पैकेट के बारे में किसी भी तरह की जानकारी होने से इनकार कर दिया। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने कथित बरामदगी की पुष्टि के लिए डीएसपी गुरसेवक सिंह और अन्य अधिकारियों को मौके पर बुलाया। जेई को पूछताछ के लिए सीआईए स्टाफ फाजिल्का ले जाया गया। जांच के बाद पुलिस अधिकारियों ने उसे क्लीन चिट दे दी। जांच में यह निष्कर्ष निकला कि उसके पास से किसी प्रकार का नशीला पदार्थ बरामद नहीं हुआ था। अमित कुमार ने आरोप लगाया कि बाद में उसे पता चला कि उसके गांव मंडी रोरांवाली के रहने वाले सुखजिंदर सिंह उर्फ शम्मी, सागर और राजन कुमार उर्फ नन्नू ने उसे झूठे ड्रग केस में फंसाने के लिए उसकी कार में पैकेट रखा था। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

चंडीगढ़ में करीब 45 मिनट रुकेंगे प्रधानमंत्री पूरा क्षेत्र हाई सिक्योरिटी जोन में बदला

चंडीगढ़ (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को चंडीगढ़ में करीब 45 मिनट के लिए रूकेंगे। इस दौरान वह पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज में होने वाले कार्यक्रमों में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर गुरुवार को दिन भर चंडीगढ़ प्रशासन में बैठकों का दौर चलता रहा। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों के साथ बैठक ली और चंडीगढ़ के डीजीपी व आईजी ने अलग-अलग स्थानों का दौरा करके पुलिस कर्मचारियों को रिसर्हल करवाई। चंडीगढ़ पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के आवास से सटे राजिंद्रा पार्क में प्रधानमंत्री का हेलीकाप्टर उतरेगा। यहां से करीब दो किलोमीटर का फासला सड़क मार्ग से तय किया जाएगा, जिसके चलते इस क्षेत्र को हाई सिक्योरिटी जोन में बदल दिया गया है। चंडीगढ़ में हवाई अड्डे से लेकर पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज तक पुलिस के साथ केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां भी तैनात रहेंगी। इस दौरान नयागांव से चंडीगढ़ बैरियर की ओर आने वाले मार्ग पर ट्रैफिक डायवर्जन रहेगा। इसके अलावा सेक्टर-2, 3, 10, 11 चौक पर भी वाहनों की आवाजाही में बदलाव किया जाएगा। प्रधानमंत्री की सुरक्षा को देखते हुए चंडीगढ़ पुलिस हाई अलर्ट पर है। सुरक्षा व्यवस्था संभालने के लिए करीब 3,000 पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। प्रधानमंत्री के आगमन के लिए तय रूट पर केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों को तैनात कर दिया गया है। इसमें बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स समेत अन्य एजेंसियों के जवान शामिल हैं। प्रधानमंत्री का पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज में कार्यक्रम दोपहर 1-30 बजे आयोजित होगा। जनसभा में शामिल होने वाले लोगों की एंट्री सुबह 11 बजे से शुरू कर दी जाएगी। कार्यक्रम स्थल पर किसी भी तरह की सामग्री ले जाने की अनुमति नहीं होगी। यहां तक कि पानी की बोतल ले जाने पर भी रोक रहेगी। इस यूटी चंडीगढ़ के उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को सौंपे गए कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने तथा कार्यक्रम के सुचारु संचालन के लिए आपसी समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए।

बिहार में बनेगा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर ऑफ एक्सिलेंस, एआईसीओई कॉरपोरेशन के गठन को मंजूरी

पटना (हिंस)। बिहार सरकार ने राज्य को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एआई) के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। राज्य सरकार ने बिहार राज्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एआईसीओई) कॉरपोरेशन के गठन तथा इससे संबंधित मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन (एमओए) और आर्टिकल ऑफ एसोसिएशन (एओए) को मंजूरी दे दी है। इस पहल से राज्य में एआई आधारित अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास और तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र को नई गति मिलने की उम्मीद है। बिहार के सूचना प्रावैधिकी विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा ने गुरुवार को विभागीय मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बताया कि सरकार बिहार को तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से बिहार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन की स्थापना को भी मंजूरी दी गई है। इसके तहत राज्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) स्थापित किए जाएंगे, जो अनुसंधान, नवाचार,

उद्योग, शिक्षा और शासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा कि एआईसीओई कॉरपोरेशन राज्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित आधुनिक तकनीकों के विकास, संचालन और विस्तार के लिए एक सशक्त संस्थागत ढांचा तैयार करेगा। इसके माध्यम से हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग सुविधाएं, क्लाउड प्लेटफॉर्म, डेटा प्लेटफॉर्म तथा अत्याधुनिक डिजिटल अवसंरचना का विकास और प्रभावी प्रबंधन किया जाएगा। इससे शोध संस्थानों, स्टार्टअप, उद्योगों और सरकारी विभागों को विश्वस्तरीय तकनीकी संसाधन उपलब्ध होंगे। मंत्री ने कहा कि इस पहल से एआई और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों पर आधारित स्टार्टअप तथा नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। युवाओं, उद्यमियों और शोधकर्ताओं के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जाएगा, जिससे राज्य में रोजगार सृजन, तकनीकी उद्यमिता और डिजिटल अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि एआईसीओई के माध्यम से कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उससे जुड़े क्षेत्रों में क्षमता निर्माण, शिक्षा तथा कौशल विकास को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। इसके तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, हैकाथॉन, अनुसंधान परियोजनाएं तथा उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि युवाओं को भविष्य की तकनीकों के अनुरूप दक्ष बनाया जा सके। नीतीश मिश्रा ने कहा कि सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में एआई आधारित समाधानों के विकास, क्रियान्वयन और व्यापक उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे शासन व्यवस्था अधिक पारदर्शी, प्रभावी और नागरिक- केंद्रित बनेगी। साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, शहरी विकास, उद्योग तथा अन्य क्षेत्रों में तकनीक आधारित सेवाओं का विस्तार होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बिहार राज्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एआईसीओई) कॉरपोरेशन का गठन राज्य के डिजिटल परिवर्तन की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा और बिहार को देश के प्रमुख एआई नवाचार केंद्रों में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पटना में भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज बुद्ध मार्ग स्थित इस्कॉन (अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ) मंदिर द्वारा आयोजित भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने भगवान श्री जगन्नाथ जी की आरती करने के पश्चात रथ यात्रा मार्ग में स्वयं झाड़ू लगाया और रथ की रस्सी खींचकर भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथ यात्रा की शुरुआत की। इस्कॉन मंदिर प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष रमन मनोहर दास ने मुख्यमंत्री को पुष्पमाला पहनाकर एवं अंगवस्त्र तथा स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री इसके पश्चात गर्दनीबाग स्थित ठाकुरबाड़ी पहुंचकर बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद द्वारा आयोजित भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भगवान श्री जगन्नाथ जी की

आरती की, रथ यात्रा मार्ग में स्वयं झाड़ू लगाया तथा रथ की रस्सी खींचकर भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथ यात्रा की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष श्री रणवीर नंदन ने मुख्यमंत्री को पुष्पमाला पहनाकर एवं अंगवस्त्र भेंटकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, बिहार विधान सभा के सभापति अवधेश नारायण सिंह, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री अशोक चौधरी, उच्च शिक्षा सह विधि मंत्री संजय सिंह टाइगर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक संजय सरावगी, विधायक संजीव चौरसिया, विधायक रत्नेश कुशवाहा, विधायक श्याम रजक, अन्य जनप्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

मानसून की स्थिति जल्द नहीं सुधरी तो खाद्य तेल और दालें होंगी महंगी

प्रमुख फसलों की बुआई में आई कमी का असर अब बाजार में दिखने लगा

नई दिल्ली

खरीफ सीजन की प्रमुख फसलों की बुआई में आई कमी का असर अब बाजार में दिखाई देने लगा है। धान, दालों और तिलहन की कम बुआई के कारण आने वाले महीनों में खाद्य पदार्थों की कीमतों में और बढ़ोतरी की आशंका है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि मानसून की स्थिति में जल्द सुधार नहीं हुआ तो आम उपभोक्ता की रसोई पर महंगाई की मार का असर पड़ेगा। जून में चावल की महंगाई दर बढ़कर 1.72 फीसदी पहुंच गई, जबकि मई में यह 0.23 फीसदी थी। इसके पीछे धान की बुआई में आई गिरावट को प्रमुख कारण माना जा रहा है। 10 जुलाई तक धान का रकबा पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 8.63 फीसदी कम दर्ज हुआ।

रिपोर्ट के मुताबिक दालों की स्थिति भी चिंताजनक है। तूअर (अरहर), उड़द और मूंग की बुआई में क्रमश: 30.29 फीसदी, 29.71 फीसदी और 10.62 फीसदी की कमी आई। इसका असर जून के महंगाई आंकड़ों में भी देखने को मिला। तूअर दाल की महंगाई दर –1.77 फीसदी से बढ़कर 0.85 फीसदी, उड़द 0.89 फीसदी से 2.16 फीसदी और मूंग 1.15 फीसदी से बढ़कर 1.71 फीसदी हो गई। इससे आने वाले समय में दालों की उपलब्धता और कीमतों को लेकर चिंता बढ़ गई है। तिलहन की बुआई में भी 21.1 फीसदी की गिरावट आई, जिसके चलते सरसों, सोयाबीन और सूरजमुखी जैसे खाद्य तेलों की कीमतों पर दबाव बना हुआ है। वहीं ज्वार और रागी जैसे मोटे अनाज भी महंगे होने लगे हैं। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि दालें एक मौसमी फसल हैं, इसलिए बुआई में देरी या रकबा घटने से भविष्य की आपूर्ति प्रभावित होती है। ऐसे में व्यापारी भी बेहतर कीमतों की उम्मीद में स्टाक रोककर रखते हैं, जिससे बाजार में आपूर्ति कम होती है और कीमतें बढ़ती हैं। भारत मौसम विभाग के मुताबिक इस साल मानसून सामान्य से कमजोर रहने की आशंका है। जून में औसतन करीब 40 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई, जिससे खरीफ फसलों की बुआई पर असर पड़ा। देश के 44 फीसदी से ज्यादा जिलों में अब भी सामान्य से कम वर्षा हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मौसम में जल्द सुधार नहीं हुआ तो आने वाले महीनों में महंगाई और बढ़ सकती है।

न्यूज ब्रीफ

केंद्र ने डीजल, एटीएफ निर्यात पर विंडफाल टैक्स बढ़ाया, पेट्रोल पर शुल्क घटाया

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर लगने वाले विंडफाल टैक्स (अप्रत्याशित लाभ कर) में बदलाव किया है। केंद्र सरकार ने 16 जुलाई से डीजल और विमानन ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर विंडफाल टैक्स बढ़ा दिया है, जबकि पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क को घटाया है। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी (एसएईडी) के तहत पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात शुल्क में यह संशोधन किए गए हैं। डीजल के निर्यात पर लगने वाले विंडफाल टैक्स को 8.50 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 15.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। विमानन ईंधन के निर्यात पर भी टैक्स 7.50 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 14.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। इसी तरह पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क 4 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 2.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। इससे पहले 16 मई को पेट्रोल के निर्यात पर भी शुल्क लगाया गया था। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सरकार ने 27 मार्च को डीजल और विमान ईंधन के निर्यात पर शुल्क लगाया था। इसके बाद हर पखवाड़े इसकी दरों में केंद्र सरकार संशोधन करती है। अधिसूचना में कहा गया है कि घरेलू खपत के लिए निकाले जाने वाले पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सरकार के अनुसार, पश्चिम एशिया संकट की पृष्ठभूमि में पेट्रोलियम उत्पादों की घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निर्यात को हतोत्साहित करने के उद्देश्य से यह अप्रत्याशित लाभ कर लगाया गया है।

किआ इंडिया सिरोस ईवी को कर सकती है भारत में लान्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में किआ इंडिया अपने इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो का विस्तार करने के लिए तैयार है, और जल्द ही सिरोस ईवी को लान्च करने की योजना बना रही है। यह किआ की भारत में सबसे छोटी इलेक्ट्रिक एसयूवी होगी, जो कैरेंस क्लैविस ईवी से नीचे रखी जाएगी। इसका सीधा मुकाबला टाटा नेक्सन ईवी, मारुति ई-विटारा और महिंद्रा एक्सयूवी 400 जैसे माडलों से होगा। किआ सिरोस ईवी को 42 किलोवाट-घंटा और 51.4 किलोवाट-घंटा बैटरी पैक विकल्पों के साथ पेश किया जा सकता है। यह बैटरी क्षमता हुंडई क्रेटा ईवी और किआ कैरेंस क्लाविस ईवी के समान है, लेकिन सिरोस के छोटी और हल्की होने के कारण इससे बेहतर ड्राइविंग रेंज मिलने की उम्मीद है। 42 किलोवाट-घंटा बैटरी के साथ लगभग 443 किलोमीटर और 51.4 किलोवाट-घंटा बैटरी के साथ लगभग 520 किलोमीटर तक की रेंज का दावा किया जा सकता है, जो इसे अपने सेगमेंट की सबसे लंबी रेंज वाली इलेक्ट्रिक एसयूवी में से एक बना देगा।

नया स्मार्टफोन मोटोरोला एज 70 मैक्स जल्द होगा लान्च

नई दिल्ली। जल्द ही भारत में मोटोरोला अपना नया स्मार्टफोन मोटोरोला एज 70 मैक्स लान्च करने जा रहा है। मोटोरोला ने फ्लिपकार्ट पर एक माइक्रोसाइट के माध्यम से इसकी लान्च तिथि 15 जुलाई घोषित कर दी है। यह मोबाइल फोन देश में पहले से मौजूद एज 70 सीरीज का हिस्सा बनेगा। माइक्रोसाइट पर फोन का डिजाइन भी सामने आया है, जिसमें यह फ्लैट डिस्प्ले, पतले बेजेल और चौकोर रियर कैमरा माड्यूल के साथ हल्के नीले और हरे रंग के विकल्पों में दिखाया गया है। प्रदर्शन की बात करें तो, इसमें क्वालकाम का शक्तिशाली स्नैपड्रैगन 8 जेन 5 चिपसेट होगा, जो एआई से जुड़ी एनपीयू परफार्मेंस में 46 प्रतिशत का सुधार लाने का दावा करता है। यह चिपसेट एंटुटु बेंचमार्क टेस्ट में 3 मिलियन से अधिक का स्कोर हासिल करने का दावा करता है और इसमें 12 जीबी तक एलपीडीडीआर5एक्स रैम के साथ एआई प्रोसेसिंग की सुविधा भी शामिल है। बेहतर थर्मल मैनेजमेंट के लिए आर्कटिकमेश कूलिंग सिस्टम और 5500 वर्ग मिमी का वेपर कूलिंग चैंबर भी मौजूद होगा। डिस्प्ले में 144 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट और 7000 निट्स तक की पीक ब्राइटनेस वाला क्वाड-एचडी प्लस एलटीपीओ पैनल मिलेगा, जिसे कार्निंग गोरिल्ला ग्लास 7आई प्रोटेक्शन दी गई है। इसकी अन्य खूबियों में 95.12 प्रतिशत स्क्रीन-टू-बाडी रेश्यो, डीसीआई-पी3 कलर गैमट सपोर्ट और 10-बिट कलर आउटपुट शामिल हैं। कंपनी का दावा है कि यह फोन बीजीएमआई में 120 एफपीएस गेमप्ले को सपोर्ट करेगा।

आईडीबीआई बैंक की फेयरफैक्स से हो सकती है 53 हजार करोड़ की डील

यह भारत के बैंकिंग क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा विदेशी निवेश होगा

नई दिल्ली

सरकार की लंबे समय से लंबित आईडीबीआई बैंक के विनिवेश की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में है। सूत्रों के मुताबिक सरकार ने कनाडा की वित्तीय कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। करीब 5.5 अरब डालर की इस डील की घोषणा जल्द हो सकती है। यदि यह डील होती है, तो यह भारत के बैंकिंग क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा विदेशी निवेश होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक फेयरफैक्स अब 81 रुपए प्रति शेयर का आफर दे रही है, जो पिछले साल दिए गए 75 रुपए के आफर से ज्यादा है। इस कीमत पर, सरकार बैंक में अपनी 45.48 फीसदी हिस्सेदारी में से 30.48फीसदी हिस्सेदारी बेचकर करीब 26,620 करोड़ रुपए जुटा सकती है। सरकारी कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कारपोरेशन (एलआईसी), जिसके पास बैंक की 50 फीसदी से थोड़ी कम हिस्सेदारी है, वह भी 30.24 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही है। इससे डील का कुल साइज 53,000 करोड़ रुपए हो जाएगा और यह किसी भारतीय बैंक में अब तक का सबसे बड़ा विदेशी निवेश होगा।

फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स का नेतृत्व भारतीय मूल के उद्योगपति प्रेम वत्स कर रहे हैं, वत्स ने अपने करियर की शुरुआत 1974 में कन्फेडरेशन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी से की, जहां उन्होंने निवेश और पोर्टफोलियो प्रबंधन का अनुभव हासिल किया। कुछ वर्षों बाद उन्होंने अपनी निवेश सलाहकार कंपनी स्थापित की और 1985 में फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स की नींव रखी। आज यह कंपनी वैश्विक स्तर पर बीमा और निवेश क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों में गिनी जाती है। भारत में भी फेयरफैक्स ने कई बड़े निवेश किए हैं। कंपनी की हिस्सेदारी सीएसबी बैंक, आईआईएफएल कैपिटल और बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में है। इसके अलावा फेयरफैक्स की मौजूदगी उत्तर अमेरिका और यूरोप के कई देशों में भी है।

शक्ति पंप्स और सेल्सफोर्स की साझेदारी, एआई से बदलेगा कृषि कारोबार का स्वरूप

इंदौर। सोलर पंप निर्माण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड ने डिजिटल बदलाव को गति देने के लिए सेल्सफोर्स के साथ साझेदारी की घोषणा की है। इस पहल के जरिए कंपनी एआई आधारित तकनीक का उपयोग कर अपने बिक्री, सेवा, मार्केटिंग और फील्ड आपरेशंस को अधिक स्मार्ट और डेटा आधारित बनाएगी। कंपनी के अनुसार, इस साझेदारी से किसानों, डीलर्स और सेवा नेटवर्क के साथ बेहतर समन्वय स्थापित होगा। सेल्सफोर्स के एआई प्लेटफार्म की मदद से रियल टाइम डेटा, पर्सनलाइज्ड कम्युनिकेशन, तेज आफ्टर सेल्स सर्विस और बेहतर निर्णय लेने की क्षमता विकसित की जाएगी। सोलर पंप निर्माता से एग्री-टेक पार्टनर बनने की तैयारी शक्ति पंप्स ने कहा कि यह पहल कंपनी के उस विजन का हिस्सा है, जिसके तहत वह सोलर पंप निर्माता से आगे बढ़कर एक व्यापक एग्री-टेक पार्टनर के रूप में अपनी भूमिका मजबूत करना चाहती है। एआई आधारित आटोमेशन, प्रेडिक्टिव इनसाइट्स और स्मार्ट फील्ड आपरेशंस के माध्यम से कंपनी उत्पादकता बढ़ाने और ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रमेश पाटीदार ने कहा कि किसानों के लिए व्यापक एग्री-टेक समाधान विकसित करने में तकनीक और एआई की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। सेल्सफोर्स के साथ साझेदारी कंपनी को बिक्री, सेवा, मार्केटिंग और फील्ड आपरेशंस को एकीकृत स्मार्ट प्लेटफार्म पर लाने में मदद करेगी। कंपनी के चीफ डिजिटल एंड इंफार्मेशन आफिसर राजेश पोतदार ने कहा कि कृषि का भविष्य स्वच्छ ऊर्जा, स्मार्ट तकनीक और डेटा आधारित फैसलों पर निर्भर करेगा। यह साझेदारी किसानों, भागीदारों और ग्रामीण समुदायों के लिए अधिक मूल्य सृजन में सहायक होगी। सेल्सफोर्स इंडिया के रीजनल वाइस प्रेसिडेंट विनय भट ने कहा कि एआई आधारित स्मार्ट आपरेशंस और बेहतर ग्राहक अनुभव भविष्य के कारोबार की दिशा तय करेंगे।

एक साल से भी कम समय में ग्रो ने मारी बाजी, दर्ज किया शानदार मुनाफा

लंबे समय से शीर्ष पर काबिज एंजेल वन को पछाड़कर नंबर वन का ताज हासिल किया

नई दिल्ली

भारतीय कमोडिटी डेरिवेटिव मार्केट में एक बड़ा उलटफेर हुआ है। ब्रोकिंग प्लेटफार्म ग्रो ने लंबे समय से शीर्ष पर काबिज एंजेल वन को पछाड़कर नंबर वन का ताज हासिल कर लिया है। यह बदलाव वित्तीय वर्ष 2026 की पहली तिमाही के आंकड़ों के साथ 15 जुलाई को सामने आया है, जहां ग्रो ने नोशनल एवरेज डेली टर्नओवर (एनएडीटी) के मामले में एंजेल वन को मात दी है। जारी वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ग्रो का नोशनल एवरेज डेली टर्नओवर 2.43 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि एंजेल वन का टर्नओवर 2.37 लाख करोड़ रुपये रहा।

नोशनल टर्नओवर किसी प्लेटफार्म पर एक दिन में हुए कुल सौदों की औसत वैल्यू को दर्शाता है, जो बाजार में कंपनी की गतिविधि और प्रभाव को दर्शाता है। दिलचस्प बात यह है कि ग्रो ने कमोडिटी कारोबार में बहुत पहले एंट्री नहीं की थी। कंपनी ने जुलाई 2025 में चुनिंदा ग्राहकों के लिए यह सेवा शुरू की थी और सितंबर तक इसे सभी यूजर्स के लिए खोल दिया। यानी एक साल से भी कम समय में ग्रो ने उस बाजार में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया, जहां एंजेल वन लंबे समय से सबसे बड़ा खिलाड़ी माना जाता था। इस तेजी के पीछे ग्राहकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि है। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में कंपनी के कमोडिटी प्लेटफार्म पर सिर्फ 27 हजार ग्राहक थे, जो जून 2026 के अंत तक बढ़कर 4.35 लाख हो गई। आंकड़ों के मुताबिक पहली तिमाही में ग्रो की कमोडिटी मार्केट में हिस्सेदारी 28.6 फीसदी रही, वहीं एंजेल वन की हिस्सेदारी करीब 26.5 फीसदी रही। इस मामले में जेरोधा लगभग 12 फीसदी हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर है। कमोडिटी कारोबार का असर अब ग्रो की कमाई पर भी साफ दिख रहा है।

अप्रैल से जून 2026 की तिमाही में कंपनी की कुल आय का 4.9 फीसदी हिस्सा कमोडिटी बिजनेस से आया। ग्रो की पैरेंट कंपनी बिलियनब्रेंस गैरेज वेंचर्स ने जून 2026 तिमाही में 735 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया, जो पिछले साल के मुकाबले 94 फीसदी ज्यादा है। इसी दौरान कंपनी का आपरेशन से रेवेन्यू भी 66 फीसदी बढ़कर 1,501 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

महिंद्रा एक्सयूवी400 ईवी का जून में निराशजनक प्रदर्शन

नई दिल्ली। कार निर्माता स्वदेशी कंपनी महिंद्रा की इलेक्ट्रिक पेशकश एक्सयूवी400 ईवी के लिए जून 2026 का महीना खासा निराशाजनक रहा।इस माडल की केवल 31 इकाइयां बिकीं, जो पिछले वर्ष की समान अवधि (जून 2025 में 231 इकाइयां) की तुलना में लगभग 87 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्शाती है। महिंद्रा एक्सयूवी400 ईवी अपने आधुनिक और आकर्षक डिजाइन के लिए जानी जाती है, जिसमें बंद ग्रिल, महिंद्रा का तांबे जैसी आभा वाला प्रतीक चिन्ह और आकर्षक एलईडी हेडलैंप इसे अलग पहचान देते हैं। वाहन के भीतर प्रीमियम अनुभव देने वाला केबिन मिलता है, जिसमें 10.25 इंच का स्पर्श आधारित सूचना एवं मनोरंजन तंत्र, पूर्णत: डिजिटल चालक सूचना पटल, बिना तार के एंड्रायड आटो और एप्पल कारप्ले की सुविधा, तथा दो हिस्सों वाला स्वचालित तापमान नियंत्रण जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह ईवी दो बैटरी विकल्पों (34.5 किलोवाट-घंटा और 39.4 किलोवाट-घंटा) के साथ आती है, जो क्रमश: 375 किलोमीटर और 456 किलोमीटर तक की प्रमाणित रेंज देती है।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में तेजी गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में लगातार चौथे दिन शुरुआती दौर में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 720 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 790 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 340 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी दर्ज की गई है।

भाव में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,580 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,31,610 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,43,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,43,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,43,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,31,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,43,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,31,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

महंगाई के मोर्चे पर राहत मिलने के संकेत के कारण अमेरिकी बाजार में कल इन्वेस्टर सेंटीमेंट पाजिटिव बना रहा। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 150.91 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 52,659.18 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.38 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,572.40 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 159.74 अंक यानी 0.61 प्रतिशत उछल कर 26,266.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर फिलहाल 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52,697.98 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,515.92 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 147.50 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,999.53 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स पूरे सत्र में दबाव में कारोबार करने के बाद आखिरी वक्त में हुई खरीदारी के सपोर्ट से 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,382.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशिया में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स फिलहाल 1,556.51 अंक यानी 2.26 प्रतिशत की जबरदस्त कमजोरी के साथ 67,195 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.82 प्रतिशत टूट कर 3,923.20 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में बिकवाली का चौतरफा दबाव बना हुआ है, जिसकी वजह से यह सूचकांक फिलहाल 418.27 अंक यानी 5.74 प्रतिशत लुढ़क कर 6,866.14 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.53 प्रतिशत फिसल कर 5,530.48 अंक के स्तर पर आ गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 103 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,145 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स भी 0.43 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,637.17 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 473.90 अंक यानी 1.88 प्रतिशत उछल कर 25,155 अंक के स्तर पर आ गया है।

अर्जेंटीना से हार के बाद बोले हैरी केन–यह मेरा आखिरी विश्व कप है या नहीं, कहना जल्दबाजी

अटलांटा

इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने अर्जेंटीना के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में 2-1 की हार के बाद कहा कि यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि यह उनका आखिरी विश्व कप था या नहीं। उन्होंने माना कि एक बार फिर टीम उसी तरह हार गई, जैसी पिछले बड़े टूर्नामेंटों में हारती रही है।

इंग्लैंड ने 55वें मिनट में एंथनी गार्डन के गोल से बढ़त बना ली थी, लेकिन इसके बाद टीम रक्षात्मक हो गई। अर्जेंटीना ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए 85वें मिनट में एंजो फर्नांडेज़ के जरिए बराबरी की और फिर इंजरी टाइम में लाउटारो मार्टिनेज़ ने लियोनेल मेसी के क्रास पर विजयी गोल दाग दिया।

मैच के बाद केन ने कहा, मुझे लगता है कि यह वही कहानी है, जो पिछले बड़े टूर्नामेंटों में भी देखने को मिली। करीब 60 मिनट तक हमने मैच की गति पर शानदार नियंत्रण रखा। हमने गोल किया और बढ़त हासिल कर ली।

उन्होंने आगे कहा, लेकिन फिर किसी न किसी वजह से हम गेंद पर नियंत्रण बनाए नहीं रख सके। हम गेंद पर दबाव भी नहीं बना पाए, जिससे अर्जेंटीना को लगातार आक्रमण करने का मौका मिला और उसने हमारे पेनाल्टी क्षेत्र में दबाव बढ़ा दिया।

केन ने माना कि बढ़त मिलने के बाद टीम का रवैया बदल गया

उन्होंने कहा, एक गोल की बढ़त बचाने की मानसिकता सामान्य होती है, लेकिन तब भी मुकाबले में करीब 20 मिनट बाकी थे। इतने समय में विपक्षी टीम गोल कर सकती है। हमें मैच का वीडियो देखकर समझना होगा कि ऐसी परिस्थितियों में हम क्या बेहतर कर सकते थे। पिछले चार बड़े टूर्नामेंटों में यही हमारी सबसे बड़ी कमी रही है। अगला विश्व कप होने तक केन 36 वर्ष के हो जाएंगे। हालांकि उन्होंने अपने भविष्य को लेकर कोई फैसला लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, अभी इस बारे में बात करना बहुत जल्दबाजी होगी। मैं हर साल के हिसाब से आगे बढ़ता हूं। राष्ट्रीय टीम मेरे लिए गर्व की बात है और इससे बढ़कर मुझे कुछ भी पसंद नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज 2026 में अमन सहरावत ने जीता स्वर्ण पदक

बुडापेस्ट। भारत के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और अंडर-23 एशियाई चैंपियन अमन सहरावत ने बुधवार को बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग का स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया।

पोल्याक इमरे, वर्गा जानोस और कोजमा इस्तवान मेमोरियल सीनियर रैंकिंग टूर्नामेंट (बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज) के फाइनल में अमन ने जार्जिया के रोबर्टी डिगाशविली को पूरी तरह एकतरफा मुकाबले में 13-3 से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराकर खिताब जीता। 22 वर्षीय अमन सहरावत ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह दुनिया के उभरते हुए सर्वश्रेष्ठ पहलवानों में शामिल हैं। इससे पहले वह पेरिस ओलंपिक में भारत के सबसे युवा व्यक्तिगत पदक विजेता बने थे। इसके अलावा वह अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीतने वाले भारत के पहले पहलवान भी हैं। दीपक ने दिलाया कांस्य पदक भारत की झोली में एक और पदक 61 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में आया, जहां दीपक ने कांस्य पदक अपने नाम किया। तीसरे स्थान के मुकाबले में दीपक ने अजरबैजान के नूरद्दीन नोवरुजोव को बेहद रोमांचक मुकाबले में 9-8 से हराकर कांस्य पदक जीता। दो और कांस्य पदकों की उम्मीद भारत को 65 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में भी दो और पदकों की उम्मीद है। कुमार मोहित कांस्य पदक के मुकाबले में कजाकिस्तान के नाचिन कुलार से भिड़ेंगे। वहीं विशाल कालीरामन का सामना कजाकिस्तान के ओरसुमझान दस्तानबेक से तीसरे स्थान के मुकाबले में होगा। महिला पहलवान भी आज से दिखाएंगी दम गुरुवार से प्रतियोगिता में पुरुषों के 79, 92, 97 और 125 किलोग्राम वर्ग के मुकाबले खेले जाएंगे।

एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए एक और तेज गेंदबाज शामिल करे इंग्लैंड : ब्राड

बर्मिंघम। इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्राड ने कहा है कि अगामी एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए टीम में एक और तेज गेंदबाज को टीम में शामिल किया जाये। ब्राड के अनुसार इसका लाभ ये होगा कि एक तेज गेंदबाज बैकअप के तौर पर टीम के पास तैयार रहेगा। ब्राड के अनुसार भारत के खिलाफ पहले एकदिवसीय में मिली हार से टीम की कमजोरियां सामने आ गयी हैं। उन्होंने आगाह किया है कि यदि इन कमियों को अभी ठीक नहीं किया गया तो विश्वकप में टीम की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ब्राड का मानना है कि मौजूदा गेंदबाजी आक्रमण के पास अभी दबाव बनाकर लगातर विकेट लेने के लिए पर्याप्त गेंदबाज नहीं हैं। जब भी अच्छी बल्लेबाजी वाली टीम सामने आती है। गेंदबाजी दबाव में आ जाती है। ब्राड के अनुसार भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबले में मेजबान टीम की गेंदबाजी कमजोर नजर आयी। उनके पास भारतीय बल्लेबाजों को रोकने या विकेट लेने के लिए असरदार गेंदबाज नहीं थे। इससे सफेद गेंद क्रिकेट में टीम की कमजोर सामने आ गयी। ब्राड के अनुसार एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को शामिल करने से टीम को न केवल अधिक विकल्प मिलेंगे बल्कि अलग-अलग हालातों और पिचों पर बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता भी बढ़ेगी। यह गेंदबाजों के वर्कलोड को भी साझा करेगा और उन्हें पूरे टूर्नामेंट में ताजा रखने में मदद करेगा।

स्टोक्स अब क्लब क्रिकेट खेलते हुए दिखेंगे

लंदन। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले इंग्लैंड के पूर्व आलराउंडर बेन स्टोक्स ने कहा है कि वह क्लब क्रिकेट खेलते रहेंगे। ऐसे में अब स्टोक्स का अपने बचपन के क्लब डरहम के लिए खेलना तय है। स्टोक्स के अनुसार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद वह आराम का अनुभव कर रहे हैं। स्टोक्स ने कहा कि व सफेद-गेंद प्रारूप में फ्रैंचाइजी की ओर से खेलने पर भी विचार करेंगे। उन्होंने डरहम के हेड कोच रयान कैंपबेल को एक संदेश भी भेजा जिससे साफ है कि वह अभी भी खेल को लेकर उत्साहित हैं। स्टोक्स ने कहा, इस सप्ताह कुछ पल ऐसे भी आए जो सच में बहुत कठिन थे और इन सब चीजों ने यह साफ कर दिया कि मैंने सही फैसला लिया है। वहीं डरहम के हेड कोच कैंपबेल को पूरी उम्मीद है कि स्टोक्स इस गर्मी में वन-डे कप में खेलते दिखेंगे। यह टूर्नामेंट 21 जुलाई से शुरू हो रहा है, जिसमें डरहम का मुकाबला पहले राउंड में डर्बीशायर से होगा। स्टोक्स का द हंड्रेड टूर्नामेंट में खेलने के लिए कोई अनुबंध नहीं है, क्योंकि उन्होंने इस सत्र की नीलामी में शामिल नहीं होने का फैसला किया था। द हंड्रेड टूर्नामेंट भी उसी दिन शुरू हो रहा है, इसलिए जो खिलाड़ी उस टूर्नामेंट के लिए चुने गए हैं, वे अपनी काउंटी टीमों के लिए वन-डे कप में नहीं खेल पाएंगे, जब तक कि उनकी फ्रैंचाइजी उन्हें खेलने की अनुमति न दे दे।

यूपी टी20 लीग 2026 की शुरुआत 14 अगस्त से, लखनऊ में आगाज, कानपुर में फाइनल

लखनऊ

उत्तर प्रदेश की सबसे लोकप्रिय घरेलू टी20 प्रतियोगिता यूपी टी20 लीग 2026 का चौथा सीजन 14 अगस्त से शुरू होगा। उद्घाटन मुकाबले में काशी रुद्रास की टीम का सामना मौजूदा चैंपियन मेरठ मावेरिक्स से भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में होगा। इस बार टूर्नामेंट 14 अगस्त से 6 सितंबर तक खेला जाएगा। कुल 34 मुकाबले होंगे, जिनमें 13 डबल हेडर और 8 सिंगल हेडर मैच शामिल हैं। पहली बार टूर्नामेंट का आयोजन दो शहरों लखनऊ और कानपुर में किया जाएगा।

टूर्नामेंट के पहले चरण में लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 13 मैच दिवसों में 22 मुकाबले खेले जाएंगे। इसके बाद प्रतियोगिता का दूसरा चरण कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में होगा, जहां शेष 12 मुकाबले, प्लेआफ और फाइनल आयोजित किए जाएंगे।

यूपी टी20 लीग की संचालन परिषद के अध्यक्ष डा. संजय कपूर ने गुरुवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि लीग हर सीजन के साथ नई ऊंचाइयों को छू रही है और इस बार दो शहरों में आयोजन होना टूर्नामेंट के लिए एक बड़ा कदम है।

उन्होंने कहा, यूपी टी20 लीग लगातार आगे बढ़ रही है। इस बार पहली बार प्रतियोगिता दो अलग-अलग मैदानों पर खेली जाएगी। शुरुआत लखनऊ से होगी, जबकि दूसरा चरण, प्लेआफ और फाइनल कानपुर में आयोजित होंगे।

उन्होंने आगे कहा, पिछले कुछ वर्षों में लीग का स्तर काफी बेहतर हुआ है। हमें विश्वास है कि इस बार भी युवा खिलाड़ियों को अनुभवी क्रिकेटरों के साथ अपनी प्रतिभा दिखाने का शानदार अवसर मिलेगा। सभी टीमों को शुभकामनाएं और उम्मीद है कि दर्शकों को एक और रोमांचक सीजन देखने को मिलेगा।

कानपुर में होंगे प्लेआफ मुकाबले

टूर्नामेंट का उद्घाटन समारोह और पहला मैच लखनऊ में होगा, जबकि समापन समारोह और फाइनल मुकाबला कानपुर में आयोजित किया जाएगा।

क्वालीफायर-1 और एलिमिनेटर मुकाबले 3 सितंबर, क्वालीफायर-2 4 सितंबर और फाइनल 6 सितंबर को ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जाएगा।

पहले सप्ताह में कई बड़े मुकाबले

15 अगस्त को नोएडा किंग्स का मुकाबला कानपुर सुपरस्टार्स से होगा, जबकि लखनऊ फाल्कंस की टीम गौर गोरखपुर लायंस से भिड़ेगी।

16 अगस्त को काशी रुद्रास और कानपुर सुपरस्टार्स आमने-सामने होंगे, जबकि शाम के मुकाबले में मेरठ मावेरिक्स का सामना गौर गोरखपुर लायंस से होगा।

17 अगस्त को नोएडा किंग्स और लखनऊ फाल्कंस भिड़ेंगे। 18 अगस्त को काशी रुद्रास और गौर गोरखपुर लायंस के बीच मुकाबला होगा।

19 अगस्त को लखनऊ फाल्कंस और मेरठ मावेरिक्स आमने-सामने होंगे। 20 अगस्त को डबल हेडर में पहले गौर गोरखपुर लायंस बनाम नोएडा किंग्स, जबकि दूसरे मैच में कानपुर सुपरस्टार्स का मुकाबला काशी रुद्रास से होगा।

21 अगस्त को मेरठ मावेरिक्स और नोएडा किंग्स भिड़ेंगे, जबकि दूसरे मुकाबले में लखनऊ फाल्कंस का सामना कानपुर सुपरस्टार्स से होगा।

टूर्नामेंट का कानपुर चरण 28 अगस्त से शुरू होगा, जहां पहले मुकाबले में काशी रुद्रास और नोएडा किंग्स आमने-सामने होंगे।

दो प्रमुख क्रिकेट मैदानों पर होने वाला यह सीजन उत्तर प्रदेश के घरेलू क्रिकेट को नई पहचान देने के साथ-साथ दर्शकों के लिए भी पहले से अधिक रोमांचक अनुभव लेकर आने वाला है।

विश्व कप से बाहर होने के बाद भी इंग्लैंड के कोच बने रहेंगे थामस ट्यूखल, रणनीति का किया बचाव

अटलांटा

फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में अर्जेंटीना से 2-1 की हार के बावजूद इंग्लैंड के मुख्य कोच थामस ट्यूखल ने साफ कर दिया है कि वह टीम के साथ बने रहेंगे और यूरो 2028 तक इंग्लैंड के कोच की जिम्मेदारी निभाएंगे। उन्होंने अर्जेंटीना के खिलाफ अपनाई गई अपनी रणनीति का भी बचाव किया।

विश्व कप शुरू होने से पहले ही ट्यूखल ने फुटबाल एसोसिएशन (एफए) के साथ अपने अनुबंध का विस्तार कर लिया था, जो उन्हें यूरो 2028 तक इंग्लैंड का मुख्य कोच बनाए रखेगा।

मैच के बाद जब उनसे पूछा गया कि क्या वह आगे भी टीम के साथ बने रहेंगे, तो ट्यूखल ने कहा, सबसे पहले तो विश्व कप अभी खत्म नहीं हुआ है। हमारे सामने तीसरे स्थान का एक मुकाबला बाकी है। भले ही हम उस मैच का बेसब्री से इंतजार नहीं कर रहे हों, लेकिन वह मैच खेलना है। उसके बाद हम आगे बढ़ेंगे। मेरा अनुबंध घरेलू यूरो 2028 तक है और मैं अभी भी उस टूर्नामेंट का इंतजार कर रहा हूं, भले ही इस समय आगे देखना थोड़ा मुश्किल हो।

ईएसपीएन की रिपोर्ट के मुताबिक, विश्व कप सेमीफाइनल में हार के बावजूद इंग्लैंड फुटबाल एसोसिएशन का भरोसा ट्यूखल पर कायम है और वह यूरो 2028 तक टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे।

रणनीति पर उठे सवाल, ट्यूखल ने दिया जवाब

इंग्लैंड ने एंथनी गार्डन के गोल से 55वें मिनट में बढ़त बनाई थी, लेकिन इसके बाद अर्जेंटीना ने अंतिम मिनटों में वापसी कर ली। ट्यूखल के कुछ बदलावों के बाद इंग्लैंड की टीम रक्षात्मक होती चली गई और अर्जेंटीना ने लगातार दबाव बनाकर दो गोल दाग दिए।

ट्यूखल ने 82वें मिनट में रीस जेम्स की जगह डैन बर्न और डेक्लन राइस की जगह निको ओराइली को मैदान पर उतारा। गार्डन के गोल से लेकर अर्जेंटीना के विजयी गोल तक इंग्लैंड के पास सिर्फ 12 प्रतिशत गेंद पर कब्जा रहा। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके फैसले गलत थे, तो उन्होंने कहा, नहीं, मुझे ऐसा बिल्कुल नहीं लगता। फुटबाल का यही स्वभाव है। जैसे ही आप हारते हैं, आपकी आलोचना शुरू हो जाती है। कोई नहीं जानता कि अगर हम अलग फैसले लेते तो क्या होता। इसलिए इस पर बहस करने का कोई मतलब नहीं है। उन फैसलों की जिम्मेदारी मेरी है और आलोचना भी मैं ही स्वीकार करूंगा।

पंड्या को बाहर कर बुमराह या तिलक को कप्तान बना सकती है मुम्बई : रिपोर्ट

मुम्बई। पिछले दो सत्र से लगातार खराब प्रदर्शन से परेशान मुम्बई इंडियंस की टीम अब अगले सत्र में नये कप्तान के साथ उतरेगी। इससे साफ है कि टीम की कप्तानी से हार्दिक पंड्या की छुट्टी तय है। एक रिपोर्ट के अनुसार मुंबई इंडियंस ने आगामी सीजन 2025 के लिए अपनी रणनीतियों और टीम संरचना में व्यापक बदलाव करने की तैयारी तेज कर दी है। टीम प्रबंधन कप्तानी से लेकर कोचिंग स्टाफ तक हर जगह बदलाव कर सकता है। इसका लक्ष्य नये सत्र के लिए एक अच्छी टीम बनाना है। पिछले दो सीजन से रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या जैसे सितारों के होने के बाद भी मुंबई इंडियंस लगातार हारती रही है। इसके बाद से ही प्रबंधन पर कड़े फैसले लेने का दबाव है। बदलावें के तहत हार्दिक को हटाकर से अनुभवी मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह या युवा प्रतिभाशाली बल्लेबाज तिलक वर्मा में से किसी एक को कप्तानी मिल सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ये दोनों खिलाड़ी कप्तानी के लिए सबसे आगे चल रहे हैं। हालांकि, बुमराह की चोट से जुड़ी पिछली परेशानियां उनकी दावेदारी कमजोर करती हैं। ऐसे में तिलक की दावेदारी को और भी बल मिला है। तिलक अभी कम उम्र के हैं और भविष्य को देखते हुए टीम उन्हें अवसर दे सकती है।

पिता के त्याग ने मेरे सपनों को दी उड़ान: सोनम उत्तम मस्कर

नई दिल्ली

महाराष्ट्र के कोल्हापुर की 10 मीटर एयर राइफल निशानेबाज सोनम उत्तम मस्कर अब 2026 एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने के पीछे उनके पिता के बड़े त्याग और परिवार के संघर्ष की कहानी छिपी है।

23 वर्षीय सोनम सितंबर में जापान के आइची-नागोया में होने वाले 20वें एशियाई खेलों में भारतीय निशानेबाजी टीम का हिस्सा होंगी। शूटिंग प्रतियोगिताएं 17 सितंबर से 3 अक्टूबर तक आयोजित होंगी।

सोनम ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि कोविड-19 महामारी के बाद उनका परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहा था। इसी दौरान उन्हें पेशेवर शूटिंग उपकरण की जरूरत थी, लेकिन उसकी कीमत परिवार के लिए बड़ी चुनौती थी। तब उनके पिता उत्तम मारुति मस्कर ने अपनी बेटी का सपना पूरा करने के लिए अपनी एक संपत्ति बेच दी।

सोनम ने कहा, एक समय ऐसा था जब हमारा परिवार आर्थिक कठिनाइयों से गुजर रहा था, खासकर लाकडाउन के दौरान। जब यह साफ हो गया कि आगे बढ़ने के लिए मुझे अपना शूटिंग उपकरण चाहिए, तब मेरे पिता ने एक संपत्ति बेच दी ताकि हम वह खरीद सकें। यह हमारे परिवार के लिए बहुत बड़ा फैसला था, लेकिन उन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया।

सोनम ने बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि शूटिंग को पेशे के रूप में अपनाएंगी। वर्ष 2018 में मुंबई के टोलानी कालेज आफ कामर्स में पढ़ाई के दौरान उन्होंने पहली बार शूटिंग की। उन्होंने कहा, मुझे हमेशा खेलों में रुचि रही है। मैं शतरंज भी खेलती थी। मैंने कुछ नया करने की सोची और शौक के तौर पर शूटिंग शुरू की। धीरे-धीरे मुझे महसूस हुआ कि मैं इसी में अपना करियर बनाना चाहती हूं। कोविड महामारी के कारण शुरुआती सफर प्रभावित हुआ, लेकिन वर्ष 2021 से उन्होंने कोल्हापुर शूटिंग रेंज में गंभीरता से अभ्यास शुरू किया। सोनम ने अपने करियर की सबसे खास उपलब्धि 2024 आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में नई दिल्ली में जीता गया रजत पदक बताया। उन्होंने कहा, दिल्ली में घरेलू दर्शकों के सामने विश्व कप फाइनल में रजत पदक जीतना मेरे करियर के सबसे यादगार पलों में से एक है। वह अनुभव हमेशा मेरे साथ रहेगा। काहिरा विश्व कप सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय रेलवे का प्रतिनिधित्व करने का अवसर भी मिला। सोनम इस समय विदेशी कोच फार्निक थामस और भारतीय कोचों की देखरेख में एशियाई खेलों की तैयारी कर रही हैं।

उन्होंने कहा, एशियाई खेलों की तैयारी अच्छी चल रही है। मैं अपने विदेशी कोच फार्निक थामस और भारतीय कोचों के साथ लगातार अभ्यास कर रही हूं। हमारा पूरा ध्यान प्रतियोगिता के लिए खुद को सर्वश्रेष्ठ तरीके से तैयार करने पर है।

सोनम ने अपने परिवार और सहयोग करने वाले सभी संस्थानों का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं उन सभी लोगों की बेहद आभारी हूं जिन्होंने मेरी इस यात्रा में मेरा साथ दिया। मेरे परिवार ने हर कदम पर मेरा समर्थन किया। इसके अलावा ओजीक्यू, राष्ट्रीय राइफल संघ, भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, भारतीय रेलवे और मेरी पूरी सपोर्ट स्टाफ टीम का भी धन्यवाद, जिन्होंने हमेशा मेरा हौसला बढ़ाया और बेहतर खिलाड़ी बनने में मदद की।

इंग्लैंड पर जीत के बाद फ़ाकलैंड द्वीप वाला बैनर लहराने पर अर्जेंटीना पर फीफा कार्रवाई की आशंका

अटलांटा

फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 2-1 से हराने के बाद अर्जेंटीना के कुछ खिलाड़ियों द्वारा फ़ाकलैंड द्वीप (माल्विनास) के समर्थन वाला बैनर लहराने पर अब टीम पर फीफा की कार्रवाई का खतरा मंडरा रहा है। मैच के बाद अर्जेंटीना के खिलाड़ियों ने मैदान पर लास माल्विनास सोन अर्जेंटिनास (फ़ाकलैंड द्वीप अर्जेंटीना का है) लिखा बैनर लहराया और मैदान छोड़ने से पहले उसे वहीं छोड़ दिया।

इससे पहले अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने कहा था कि वह नहीं चाहते कि इंग्लैंड के खिलाफ यह मुकाबला दोनों देशों के बीच फ़ाकलैंड द्वीप विवाद से जोड़ा जाए।

फीफा के नियमों का हो सकता है उल्लंघन

फुटबाल के नियम बनाने वाली संस्था इंटरनेशनल फुटबाल एसोसिएशन बोर्ड (आईएफएबी) और फीफा बड़े टूर्नामेंटों में राजनीतिक संदेश, नारे और प्रतीकों के प्रदर्शन के खिलाफ सख्त रुख अपनाते रहे हैं।

आईएफएबी के नियमों के अनुसार, खिलाड़ियों के उपकरणों या कपड़ों पर किसी भी प्रकार का राजनीतिक, धार्मिक या व्यक्तिगत नारा, संदेश या तस्वीर नहीं होनी चाहिए। यदि कोई खिलाड़ी ऐसा करता है तो संबंधित प्रतियोगिता के आयोजक, राष्ट्रीय फुटबाल संघ या फीफा उसके खिलाफ कार्रवाई कर सकते हैं।

इसी नियम के तहत अर्जेंटीना पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

पुराना विवाद फिर आया चर्चा में

फ़ाकलैंड द्वीप को लेकर अर्जेंटीना और ब्रिटेन के बीच लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। वर्ष 1982 में दोनों देशों के बीच 74 दिनों तक युद्ध हुआ था, जिसमें 655 अर्जेंटीनी सैनिक, 255 ब्रिटिश सैनिक और द्वीप के तीन नागरिकों की मौत हुई थी। अर्जेंटीना लगातार फ़ाकलैंड द्वीप पर अपना दावा करता रहा है, जबकि यह द्वीप ब्रिटेन के नियंत्रण में है। यह ब्रिटेन से करीब 8,000 मील और अर्जेंटीना की मुख्य भूमि से लगभग 300 मील दूर स्थित है।

पहले भी लग चुका है जुर्माना

यह पहला मौका नहीं है जब अर्जेंटीना की टीम ने ऐसा बैनर प्रदर्शित किया हो। वर्ष 2014 में स्लोवेनिया के खिलाफ एक मैत्री मैच से पहले भी खिलाड़ियों ने इसी तरह का बैनर लहराया था।

उस समय फीफा ने अर्जेंटीना फुटबाल संघ पर 20 हजार पाउंड का जुर्माना लगाया था।

फिलहाल इस मामले में फीफा की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस घटना की समीक्षा की जा रही है।

हेल्थ सेक्टर में बढ़ी प्रोफेशनल्स

डॉक्टरों को भगवान के बराबर दर्जा दिया जाता है, क्योंकि मरीजों की जान बचाने और स्वस्थ करने की जिम्मेदारी इन्हीं पर होती हैं, लेकिन किसी कारणवश अगर आप डॉक्टर नहीं बन पाते तो आप हेल्थकेयर सेक्टर की दूसरे विंग के साथ जुड़कर अपनी यह मुराद पूरी कर सकते हैं। हेल्थ केयर सेक्टर के तहत आने वाले कोर्सेज में नौकरियों के अवसर ही अवसर हैं। इसके तहत आने वाले कोर्सेज मुख्य रूप से रेडियोग्राफी, मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी, नर्सिंग, जैसे कई फील्ड शामिल हैं। खास बात यह कि इसके तहत कई जॉब ओरिएंटेड कोर्सेज भी चला जा रहे हैं। इन कोर्सेज को पढ़ने के लिए उम्मीदवार फुल टाइम क्लासेज का विकल्प चुन सकते हैं।

मेडिकल लैबोरेट्री टेक्नोलॉजी

मेडिकल लैब टेक्नीशियन, डॉक्टरों के निर्देश पर काम करते हैं, उपकरणों के रख-रखाव और कई तरह के काम इन्ही के जिम्मे होता है। लेबोरेट्री में नमूनों की जांच और लैब में काम आने वाला घोल भी यही टेक्नीशियन बनाते हैं, इन्हें मेडिकल साइंस के साथ-साथ लैब सुरक्षा नियमों और जरूरतों के बारे में पूरा ज्ञान होता है। लैब टेक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलजिस्ट या लैब टेक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है।

रेडियोलॉजी-एक्सरे टेक्नोलॉजी

रेडियोग्राफर मरीज के शरीर के उस हिस्से का

एक्स रे लेता है जो रोगग्रस्त होता है ये एक्स रे उपचार में काफी सहायक होते हैं। अस्पताल, नर्सिंग होम्स, डायग्नोस्टिक सेंटर, क्लीनिक, मिलिट्री सर्विस, शिक्षा संस्थानों, रिसर्च लैबोरेटरी के अलावा इनकी मांग सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों में होती है। केवल भारत में ही नहीं, विदेशों में भी हेल्थ सेक्टर में विशेषज्ञ तथा ट्रेंड रेडियोलॉजिस्ट की काफी आवश्यकता महसूस की जा रही है। अमेरिकन सोसायटी ऑफ रेडियोलॉजी की रिपोर्ट पर गौर करें तो सालाना 16 प्रतिशत की दर से इसमें बढ़ोत्तरी की संभावना है, जाहिर है ऐसे में रोजगार की संभावना भी बढ़ेंगे। हाल ही में एक रिपोर्ट आई है जिससे पता चलता है कि सरकारी और गैर सरकारी अस्पतालों में रेडियोलॉजिस्ट की कितनी डिमांड है।

ऑप्थेलमिक असिस्टेंट

ऑप्थेलमिक टेक्नीशियन बनने के लिए आपको

डिग्री या डिप्लोमा कोर्स करना जरूरी है। एक ऑप्थेलमिक असिस्टेंट का काम आंखों की डाइग्नोसिस के साथ-साथ ट्रीटमेंट व बचाव का प्रशिक्षण देना है, इसके अलावा क्लीनिकल डाटा इकटठा करना, पेशेंट के रिकार्ड को मेंटेन करने का जिम्मा भी होता है। ऑप्थेलमिक के तहत कई तरह की आंखों से संबंधित क्लीनिकल फंक्शन किए जाते हैं। ऑप्थेलमिक असिस्टेंट आई डॉक्टर को पेशेंट की हिस्ट्री और कई तरह की तकनीकी जांच में मदद करता है।

नर्सिंग

हेल्थ सेक्टर के तहत आने वाला यह एक बेहद लोकप्रिय प्रोफेशन है और मेडिकल केयर का अहम हिस्सा भी हैं। जनरल वॉर्ड से लेकर ऑपरेशन थियेटर तक नर्सिंग स्टाफ एक रोगी की देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।इस कोर्स की सफलतापूर्वक समाप्ति के बाद आपके लिए जॉब के कई रास्ते खुल जाते हैं। दरअसल, इस क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए आज रोजगार की कोई कमी नहीं है। आप हॉस्पिटल, नर्सिंग होम्स, क्लीनिक और हेल्थ डिपार्टमेंट, ओल्ड एज होम्स, मिलिट्री हेल्थ सर्विस, स्कूल्स, रेलवे, पब्लिक सेक्टर मेडिकल डिपार्टमेंट आदि में कार्य कर सकते हैं।

ऑपरेशन थियेटर टेक्नीशियन

मेडिकल के क्षेत्र में ऑपरेशन थियेटर टेक्नीशियन के रूप में उज्वल करियर बनाया जा सकता है। अपरेशन थियेटर टेक्नीशियन का काम कम महत्वपूर्ण नहीं है, इसमें ऑपरेशन टूल्स से लेकर ऑपरेशन थियेटर की हाइजीनिक सफाई तक का विशेष ध्यान रखना शामिल है। ऑपरेशन थियेटर टेक्नीशियन धैर्यपूर्वक डॉक्टरों की मदद करता है, वह इस बात का पूरा ध्यान रखता है कि ऑपरेशन थियेटर पूर्णरूप से बैक्टीरिया तथा वायरस से मुक्त हो। ऑपरेशन थियेटर की समय-समय पर तकनीकी रूप से सफाई करवाने का जिम्मा भी ऑपरेशन थियेटर टेक्नीशियन का ही होता है।

योग्यता

हेल्थ सेक्टर के तहत आने वाले इन कोर्सेज में एडमिशन के लिए डिप्लोमा, डिग्री, मास्टर्स डिग्री और पीएचडी जैसे कोर्सेज किए जा सकते हैं। डिप्लोमा कोर्स में एडमिशन लेने के लिए कम से कम 45 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं पास होना जरूरी है। वहीं डिग्री कोर्स के लिए न्यूनतम योग्यता केमिस्ट्री, फिजिक्स और बायोलॉजी/मैस विषयों में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं पास होना चाहिए।

अवसर

डीपीएमआई की प्रिंसिपल के मुताबिक हेल्थ सेक्टर्स में आज कई लाख प्रोफेशनल्स की डिमांड है। निजी एवं सरकारी अस्पताल, डायग्नोस्टिक सेंटर्स, मेडिकल कॉलेजों, इमेजिंग सेंटर्स, इंटरनेशनल हेल्थ एजेंसियों जैसे डब्लूएचओ, यूनिसेफ, रेड क्रॉस सोसाइटी के साथ रेडियोलॉजी व एटॉमिक रिसर्च सेंटर्स में नौकरी के मौके उपलब्ध हैं, विदेशों में भी इन प्रोफेशनल्स की भारी डिमांड है।

वेतन

हेल्थ सेक्टर से जुड़े प्रोफेशनल्स की आज पूरी दुनिया में डिमांड है अमेरिका, कनाडा, यूके, यूएई जैसे खाड़ी देशों में भी अवसर मौजूद हैं। इन प्रोफेशनल्स का वेतन उनकी कुशलता और अनुभव के अनुसार तय किया जाता है, शुरुआती वेतन 15 हजार रुपए से होता है। स्किल्स और अनुभव के साथ सैलेरी में इजाफा होता चला जाता है। विदेश में काम करने वाले प्रोफेशनल्स की सैलरी ज्यादा होता है।

प्रमुख संस्थान

- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली
- दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन, मुंबई
- निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हैदराबाद
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज, लखनऊ

संभालकर बनाएं आर्ट रेस्टोरेशन में करियर

आर्ट रेस्टोरेशन , नाम सुनकर हो सकता है यह आपको थोड़ा नया लगे लेकिन क्या आपको हिट फिल्म लव आजकल में दीपिका पादुकोण का किरदार याद है ? जिसमें दीपिका ने आर्ट रेस्टोरेटर मीरा पंडित की भूमिका निभाई है। इस यादगार किरदार के साथ ही ऑन डिमांड करियर बन गया है आर्ट रेस्टोरेशन।

यह करियर प्रोफेशनल पेंटिंग का ही एक अलग रूप है, जिसमें पुरानी हवेलियों या किलों की खराब हो चुकी आर्ट को फिर से नया बनाया जाता है। प्राचीन कलाकृतियां, मूर्तियां, पेंटिंग्स आदि किसी भी देश की अमूल्य धरोहर समझी जाती हैं। कलाकृतियों के संरक्षण व रख-रखाव का यह कार्य आर्ट-रेस्टोरर द्वारा किया जाता है।

योग्यता : आर्ट- रेस्टोरर बनने के लिए फाइन आर्ट तथा रसायन विज्ञान में स्नातक होना अनिवार्य है। इस क्षेत्र में दो साल का मास्टर डिग्री कोर्स कराया जाता है।

जिसके तहत आपको पेंटिंग रेस्टोरेशन, मेटल वर्क, टेक्सटाइल, पेपर वर्क और मैन्यूस्क्रिप्ट आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाती है। योग्यता कंजर्वेशन में मास्टर डिग्री कोर्स करने के लिए आपके पास केमिस्ट्री, जियोलॉजी, फिजिक्स, बॉटनी, जूलोजी, कंप्यूटर साइंस, फाइन आर्ट्स, हिस्ट्री, हिस्ट्री ऑफ आर्ट, आर्किटेकेचर, आर्कियोलॉजी, म्यूजियोलॉजी में से किसी एक विषय में ग्रेजुएट की डिग्री होनी चाहिए। इससे संबंधित कोर्स करने के लिए फीस भी बहुत ज्यादा नहीं है। कुछ संस्थानों में स्कॉलरशिप भी ऑफर की जाती है।

संभानाएं: ऐतिहासिक इमारतों को संजोकर रखने में पुरातत्व विभाग के रेस्टोरर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। रेस्टोरेशन का काम सिर्फ सरकारी विभागों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने एक उद्योग का रूप ले लिया है। जॉब की संभावनाएं इस कोर्स को करने के बाद आपको आर्ट गैलरी, म्यूजियम सहित कई जगहों पर काम मिल जाता है। शुरू में आपको अनुभव हासिल करने के लिए किसी अच्छे आर्ट रेस्टोरर के साथ काम करना पड़ सकता है। कुछ साल का अनुभव होने के बाद आप अपना प्राइवेट वर्क भी शुरू कर सकते हैं। कॉलेज और यूनिवर्सिटीज की लाइब्रेरी में भी आपको मौका मिलता है। कोर्स को करने के बाद आपको सरकारी नौकरी भी मिलती है।

प्रमुख संस्थानः नेशनल म्यूजियम इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली

प्रवेशः एडिटंग से संबंधित कोर्स में एडमिशन लेने के लिए किसी भी स्ट्रीम में ग्रेजुएट होना आवश्यक है। शॉर्ट- टर्म कोर्स के लिए कम से कम बारहवीं उत्तीर्ण होना जरूरी है। कंप्यूटर की बेसिक नॉलेज रखने वालों को इसे सीखने में आसानी होती है। इसके अलावा आपमें क्रिएटिविटी और संगीत की समझ होने की भी जरूरत होती है।

संभावनाएं: एलएलई कोर्स करने और इसमें कुशलता हासिल करने के बाद विभिन्न चैनल्स न्यूज एवं एंटरटेनमेंट, प्रोडक्शन हाउस और फिल्म कंपनियों में आसानी से काम मिल जाता है। कोर्स करने के बाद प्रोडक्शन हाउस या टेलीविजन चैनल में आकर्षक वेतन मिलता है। कुल मिलाकर इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं।

प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान

- भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली
- मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
- डिपार्टमेंट ऑफ कम्युनिकेशन स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे
- सिंहगढ़ कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, पुणे
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हैरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट, दिल्ली
- नेशनल रिसर्च लैबोरेटरी फॉर कंजरवेशन ऑफ कल्चरल प्रॉपर्टी, लखनऊ

कॉलेज प्लेसमेंट में पाना चाहते हैं मोटी सैलरी, तो करें ये काम

जब भी हम किसी कॉलेज या यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए अप्लाई करने के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहला ख्याल जो दौरान हमारे दिमाग में आता है, वो होता है %प्लेसमेंट%. जो भी छात्र एडमिशन के लिए अप्लाई करता है उनकी शीर्ष प्राथमिकताओं में कॉलेज प्लेसमेंट सबसे ऊपर होती है. बहुत से छात्र बेहतर भविष्य के लिए कॉलेज प्लेसमेंट पर निर्भर होते हैं. ऐसे में अगर आप चाहते हैं कि आपको मिले मोटा पैकेज, तो प्लेसमेंट के दौरान जरूर रखें इन बातों का ध्यान...

कभी न हो लेट

समय पर न पहुंचने वालों का हर एक जगह खराब इम्प्रैशन ही पड़ता है. फिर चाहे बात कॉलेज प्लेसमेंट की ही क्यों न हो. इंटरव्यू राउंड में देरी से पहुंचने वालों के सेलेक्ट होने के चांसेज न के बराबर रह जाते हैं, क्योंकि एक एचआर को इंटरव्यू के दौरान देरी से पहुंचने वाले उम्मीदवार बिलकुल रास नहीं आते हैं.

बेसिक को न करें नजरअंदाज

बहुत से उम्मीदवार इंजीनियरिंग के शुरुआती सालों में पढ़ाए गए बेसिक्स को नजरअंदाज कर देते हैं और प्लेसमेंट से पहले इन्हें दोबारा रिवाइज न करने की गलती कर बैठते हैं. जबकि प्लेसमेंट के दौरान अक्सर नियोक्ता बेसिक से जुड़े सवाल पूछते हैं. इसलिए जब भी आप कॉलेज प्लेसमेंट के लिए जाए तो एक बार अपने बेसिक्स का रीविजन कर के जाएं.

अंग्रेजी की है डिमांड

आपको चाहे ये बात अच्छी लगे या न लगे पर अच्छी अंग्रेजी लिखने और बोलने वाले लोगों की भारतीय जॉब मार्केट में काफी डिमांड है. हालांकि इस बात को जानते हुए भी बहुत से लोग अपने कम्यूनिकेशन स्किल्स पर ध्यान नहीं देते हैं. अगर आपको लगता है कि आप अंग्रेजी बोलने और लिखने में थोड़े कमजोर हैं तो प्लेसमेंट पर जाने से पहसे इस पर जरूर थोड़ा काम कर के जाएं.

फीडबैक लेना न भूलें

एक बार इंटरव्यू खत्म हो जाने के बाद आपको नियोक्ता से अपना फीडबैक भी ले लेना चाहिए, भले ही आपका चयन न हुआ हो. ऐसा करने का फायदा आपको भविष्य में मिलेगा, क्योंकि इससे आपको अपनी कमियों के बारे में पता चलता है. इसकी मदद से आप प्लेसमेंट के दौरान दूसरी कंपनियों के सामने खुद को बेहतर ढंग से पेश कर पाएंगे.

इंटरनेट के बिना भी हर महीने कमाई...

आज कल कोई भी इंसान ऐसा नहीं है जो इंटरनेट का प्रयोग ना करता हो। लेकिन आप बिना किसी इंटरनेट के भी घर बैठे अपनी स्किल की बदौलत अच्छी-खासी इनकम की जा सकती। वह तरीका है- हैंडराइटिंग जॉब का। चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु जैसे शहरों के लोग हैंडरिटिन नोट्स के जरिए अच्छी कमाई कर रहे हैं। बड़ी बात कि इसके लिए कंप्यूटर और इंटरनेट की भी जरूरत नहीं है। इस जॉब से आप कुछ घंटे लगाकर हर महीने औसतन 15-20 हजार रुपए तक इनकम कर सकते हैं।

बुक पब्लिकेशन

बुक पब्लिकेशन के क्षेत्र में हैंडराइटिंग जॉब की सबसे ज्यादा जरूरत है। इन्फार्मेशन के लिए आज विकिपीडिया और गूगल सर्च जैसी वेबसाइट्स हैं। लेकिन, आज भी कई स्टूडेंट इन्फार्मेशन के लिए किताबों पर निर्भर हैं। हैंडराइटिंग जॉब का मुख्य उद्देश्य स्टूडेंट्स के लिए क्विक शॉर्ट नोट बुक पब्लिशिंग, क्विक क्वेश्चन- आंसर बएन्शरुक और क्विक सजेशन बुक के लिए है।

इनकम हैंडराइटिंग जॉब से सामान्यत एक रुपए प्रति लाइन की इनकम हो सकती है। क्विक सजेशन बुक और क्वश्चन-एन्शर के हर जवाब की एक लाइन के लिए एक रुपया तक मिलता है। इस तरह, आप हर रोज अपनी हैंडराइटिंग स्किल से 500 रुपए तक की इनकम कर सकते हैं। महीने की इनकम 15 हजार रुपए या इससे ज्यादा हो सकती है। हैंडराइटिंग जॉब पाने के लिए आप न्यूजपेपर्स की क्लासीफाइड ऐड, ओएलएक्स या क्विकर पर सर्च कर कर सकते हैं। आप क्रिकर पर हैंडराइटिंग जॉब की जरूरत के लिए फ्री ऐड पोस्ट कर सकते हैं। क्विकर टीम आपको खुद सजेस्ट करेगी।

शुरू कर सकते हैं बिजनेस

हैंडराइटिंग जॉब से अधिक इनकम के लिए आप खुद एक बिजनेस शुरू कर सकते हैं। इससे आपको काम करने की फ्रीडम के साथ-साथ ज्यादा इनकम भी होगी। हैंडराइटिंग जॉब बिजनेस के लिए रिक्वायरमेंट बुक पब्लिशर कंट्रीब्यूटर, डाटा कन्वर्जेशन, होम बेस ट्यूटर से सबसे ज्यादा मिलती है। हैंडराइटिंग बिजनेस शुरू करने के लिए सबसे पहल आपको होम बेस ट्यूटर से संपर्क करना होगा। इसके लिए आपको पास नई बुक पब्लिश करने का आइडिया होना चाहिए। इस बिजनेस को शुरू करने के लिए अच्छा यह है कि इसकी शुरुआत स्मॉल लेवल पर की जाए। पहले साल में आप 3 बुक ही पब्लिश कराने का प्लान बनाए। इसमें भी बेहतर यह होगा कि प्रत्येक क्लॉस की सब्जेक्ट के अनुसार शॉर्ट क्वेश्चन-एन्शर बुक पब्लिश कराएं। इस बिजनेस के लिए आप कुछ लोगों को हायर कर सकते हैं। उनसे तय निर्देशों के अनुसार क्वेश्चन-एन्शर बुक के लिए हैंडराइटिंग करा सकते हैं।

करियर का अच्छा मौका है फैशन

रंगो और कपड़ो के सयोजन से एक ऐसी पोशाक बनाना जिसको देखकर लोगो के मुह से वाओ शब्द निकल जाये यही असली मायने में फैशन कहलाता है. आज के युग को फैशन का युग कहा जाता है. दुनिया का चकाचौंद में हर कोई फैशन के रंग में रंगा हुआ नजर आता है। फैशन डिज़ाइनिंग को आम तौर पर कॅरियर का एक आप्शन भर माना जाता है. जबकि ऐसा नहीं है, दरअसल यह एक ऐसी कला है जो ड्रेस और एक्सेसरीज़ की मदद से किसी इन्सान की लाइफ स्टाइल को सामने लाती है

क्या है फैशन डिजाइनिंग?

मॉडर्न फैशन के अंतर्गत दो विभाग हैं. पहला वर्ग है पोशाकों को डिज़ाइन करना और दूसरा रेडी-टू-वियर अर्थात तैयार पोशाकें। इन दोनो वर्गों मे फैशन डिज़ाइनिंग का इस्तेमाल प्रथम वर्ग मे किया जाता है। वर्तमान समय मे फैशन शो इसी के बूते चल रहे हैं। इन शो के ज़रिए ही फैशन डिज़ाइनर्स की सृजनात्मकता और रचनात्मकता का पता चलता है.

अहमियत रंग और बुनावट की

यदि किसी को टेक्सटाइल, पैटर्न, कलर कोडिंग, टेक्सचर आदि का अच्छा ज्ञान हो तो फैशन डिज़ाइनिंग को कॅरियर के रूप मे अपनाने मे उसे बिल्कुल हिचकना नहीं चाहिए. उसकी सफलता को कोई गुंजाइश नहीं रह जाती और उसका नाम फैशन इंडस्ट्री मे तहलका मचा सकता है। खासकर भारत जैसे देश में जहाँ के फैशन मे पश्चिमी सभ्यता का भी संगम है, और इसी मिलन ने फैशन इंडस्ट्री को एक नयी दिशा और पहचान दी है। फॅशन डिज़ाइनिंग मे रंगों के संयोजन और कपड़े के आधार पर उसकी बुनाई का बड़ा महत्व है। एक तरह से ये ही फैशन डिज़ाइनिंग का सार है. इन की बिनाह पर ही लुक्स संभव हो सकते हैं. इसके बाद व्यावसायिक कुशलता, कट, डिज़ाइन, सहायक सामग्री मिलकर ही पोशाक का मूल स्वरूप तय कर सकते हैं।

मौसम के साथ बदलता है फैशन का भी

मिजाज यह भी ज़रूरी है की इसे पूरी विधि के साथ संपूर्ण किया जाए। प्लान तैयार करके, ब्लू प्रिंट्स ड्रॉ करने के बाद ही फाइनल आउटकम प्राप्त होगा। डिज़ाइन की सफलता स्वाभाविक रूप से उसकी फिनिशिंग फैशन डिज़ाइनिंग का सबसे महत्वपूर्ण पहलू ये है कि फैशन किसी ना किसी थीम पर निर्भर करता है. जैसे- मौसम, लोगों की पसंद विशेष आदि. अगर आपने गौर किया हो तो फैशन प्रमुखत- मौसम के अनुसार होता है. उदाहरण के लिए सर्दी के मौसम मे आपको उसी के अनुरूप रंग और फैब्रिक देखने को मिलेगा। इसके साथ ही ऊनी कपड़े, पोलो नेक, नीले और ब्राउन देखने को मिलेंगे. इसके विपरीत गर्मियों में आपको कैजुअल, कॉटन और सफ़ेद रंग मिलेंगे।

क्या है इन और क्या है आउट

फैशन कभी भी स्थाई नही होता है,समय के स ाथ इसमे परिवर्तन होते रहते हैं। वर्तमान ने स्पेगेटी का फैशन गया और हॉल्टर नेक्स चल रहे हैं। स्कर्ट चलन में हैं और पैंटसूट्स का दौर जा चुका है। इसीलिए परिवर्तन की गति को देखते हुए, इस फील्ड मे आने व ाले हर इंसान को चौकन्ना रहना होगा। और इस बात के लिए कि क्या पहना जाना चाहिए और क्या नही? फैशन का प्रमुख केंद्र सेलिब्रिटीज़, सोशलाइट्स, मॉडल्स आदि रहे हैं।

ग्लैमर कम नहीं

कुल मिलकर फैशन डिज़ाइनिंग बहुत ही चुनौती भरा और ग्लैमर से भरपूर भरा व्यवसाय है, जिसमे राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर आयोजन होते हैं. जैसे: आईएमजी फैशन वीक, लक्मे फैशन वीक आदि। बहुत से फैशन डिज़ाइनिंग इन्स्टिट्यूट जैसे: नॅशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ डिज़ाइन, अहमदाबाद, नॅशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नालॉजी, सोफिया पॉलि टेक्निक आदि।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**